हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

RNI : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-01 ● अंक- 143 ● भिलाई, बुधवार 10 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, 5 की मौत

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में एक बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इसमें हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा रविवार देर रात हुआ। देर रात 1 बजे 2 एंबुलेंस में शवों को सिविल अस्पताल लाया गया। फिलहाल किसी की भी पहचान नहीं हो सकी है। मृतकों में 2 नाबालिग लड़कियां और 3 युवक थे। मरने वाले सभी जगराओं के बताए जा रहे हैं। हालांकि इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। जानकारी के मुताबिक वरना कार नंबर - 4619 साउथ सिटी की तरफ से लाडोवाल जा रही थी। ओवर स्पीड के कारण कार बेकाबू होकर लाडोवाल में डिवाइडर से टकराकर सड़क के बीच पलट गई और काफी दूर तक घसीटते चली गई। हादसे में पांचों शव क्षत-विक्षत हो गए। सूचना मिलते ही थाना लाडोवाल से स्कू कश्मीर सिंह मौके पर पहुंचे और तुरंत एनएचएआई की एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और शवों को कार से बाहर निकालकर एंबुलेंस के जरिए सिविल अस्पताल ले जाया गया।

दिल्ली में प्रदूषण पर प्रहार, सीएम रेखा गुप्ता ने चौकीदारों के लिए दिए इलेक्ट्रिक हीटर

नई दिल्ली। दिल्ली में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज राजधानी की विभिन्न आरडब्ल्यू को रात्रि चौकीदारों के लिए इलेक्ट्रिक हीटर वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य सर्दियों में खुले में आग जलाने से होने वाले धुएं व प्रदूषण को कम करना है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार भविष्य में भी इस प्रकार के कदम लगातार उठाती रहेगी, ताकि राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण-मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इलेक्ट्रिक हीटर एक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं, जो प्रदूषण से लड़ाई में एक प्रभावी सहायक है। मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदूषण कम करने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। इलेक्ट्रिक हीटरो का यह वितरण दिल्ली हाट, पीतमपुरा में डीएस आईआईडीसी के सीएसआर फंड से किया गया।

फिल्ममेकर विक्रम भट्ट गिरफ्तार, पेंटर और ऑटोवालों के फर्जी खातों से करोड़ों के खेल का आरोप

मुंबई । बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता विक्रम भट्ट को रविवार को मुंबई और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर उदयपुर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी से फिल्म बनाने के नाम पर 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का गंभीर आरोप है। पुलिस टीम ने उन्हें मुंबई के यारी रोड स्थित गंगा भवन अपार्टमेंट से हिरासत में लिया, यह घर उनकी साली का बताया जा रहा है। अब राजस्थान पुलिस उन्हें उदयपुर ले जाने के लिए बांद्रा कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड की अर्जी दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

सरकार से सीईओ बोले-हमें माफ कर दो...

एयरलाइन की उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती की सरकार ने

नई दिल्ली / एजेंसी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती करने का कड़ा निर्देश दिया है। पिछले हफ्ते रूू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी। इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंगलवार को विमानन मं मंत्रालय में तलब किया गया, जहां उन्होंने हालात को स्थिर करने के लिए किए जा रहे उपायों पर अपडेट दिया। सीईओ ने पुष्टि की है कि 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों के लिए 100 प्रतिशत रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्रालय ने शेष रिफंड और यात्रियों के फंसे हुए सामान को जल्द से जल्द सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। इंडिगो को किराया सीमा और यात्री सुविधा उपायों सहित मंत्रालय के सभी निर्देशों का बिना किसी अपवाद के पालन करने को कहा गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 10 प्रतिशत की कटौती का उद्देश्य एयरलाइन के सिस्टम पर दबाव कम करना है ताकि जो भी उड़ानें शेड्यूल में रहें, वे समय पर और बिना रद्द हुए चल सकें। इंडिगो को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह उच्च मांग वाले रूट्स पर

भी संचालन को सुचारू रखे और किसी भी सेक्टर पर सेवा पूरी तरह बंद न करे। डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं। नोटिस के अनुसार, इंडिगो को समर शेड्यूल 2025 की तुलना में विंटर शेड्यूल में 6 प्रतिशत के इजाफे की अनुमति दी गई थी, इसके तहत 403 विमानों के उपयोग की मंजूरी थी। लेकिन एयरलाइन अक्तूबर 2025 में केवल 339 और नवंबर 2025 में 344 विमान ही संचालित कर सकी। डीजीसीए ने कहा कि एयरलाइन ने 2024 की सर्दियों की तुलना में अपने प्रस्थान में 9.66 प्रतिशत और इस वर्ष के गर्मियों के शेड्यूल की तुलना में 6.05 प्रतिशत की वृद्धि की थी, लेकिन वह इस शेड्यूल का कुशलतापूर्वक संचालन नहीं कर सकी। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा, एयरलाइन को अपने शेड्यूल को 5 प्रतिशत तक घटाने का निर्देश दिया जाता है, यह कटौती विशेष रूप से अधिक मांग और अधिक फेरों वाले उड़ानों में हो। साथ ही, इंडिगो को किसी रूट पर जारी एकल उड़ानों को बंद करने से बचना चाहिए। उधर, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि आपका एयरलाइन संकट के दौर के बाद एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। इंडिगो सीईओ ने वीडियो के जरिए बयान जारी कर कहा, हम परेशानियों से गुजरे, यात्रियों को परेशानी हुई। इसके लिए हम माफी चाहते हैं। हवाई यात्रा की खुबसूरती यह है कि यह लोगों को, इमोशन और एंबीशन को साथ लाती है।

हम संकट के बाद फिर अपने पैरों पर खड़ा हो रहे-सीईओ

उधर, इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स ने कहा कि आपका एयरलाइन संकट के दौर के बाद एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। इंडिगो सीईओ ने वीडियो के जरिए बयान जारी कर कहा, हम परेशानियों से गुजरे, यात्रियों को परेशानी हुई। इसके लिए हम माफी चाहते हैं। हवाई यात्रा की खुबसूरती यह है कि यह लोगों को, इमोशन और एंबीशन को साथ लाती है। हम जानते हैं कि आप अलग-अलग कारणों से यात्रा करने वाले थे, पर आप से हजारों ऐसा नहीं कर पाए। हम इसके लिए हृदय से क्षमाप्रार्थी हैं। हम उड़ानों को रद्द करना नहीं टाल पाए। पर हम आपको आश्वस्त करना चाहते हैं कि हमारी पूरी इंडिगो टीम कड़ी मेहनत कर रही है। सबसे पहले हमारी प्राथमिकता हमारे मूल्यवान ग्राहकों को सुरक्षित तरीके से उन्हें उनके घर पहुंचना है। बड़े पैमाने पर रिफंड जारी किए जा रहे हैं। यह रोजना किया जा रहा है।

वंदे मातरम् पर चर्चा बंगाल में चुनावी लाभ

वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए: खरगे

नयी दिल्ली। 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर राज्यसभा में हुई बहस के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह चर्चा बंगाल चुनावों को ध्यान में रखते हुए शुरू की है और सरकार जनता की असली समस्याओं से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है. खरगे ने कहा, भारत माता को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी जब संसद आम जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर उनका समाधान करेगी. उन्होंने सरकार पर बेरोजगारी, बिगड़ती अर्थव्यवस्था, गिरते रुपये और सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर बहस से बचने का

आरोप लगाया. खरगे ने कहा, उन्होंने वंदे मातरम पर चर्चा बंगाल चुनावों को देखते हुए शुरू की है. असल मुद्दों से जनता का ध्यान हटाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि असली देशभक्ति प्रतीकों और भाषणों में नहीं, बल्कि आर्थिक समस्याओं व सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने में है.

কোলকাতা में कांग्रेस कार्यकर्ता राज्यसभा सेक्रेटेरिएट के सांसदों को पार्लियामेंट के नियमों की याद दिलाने के खिलाफ प्रोटेस्ट मार्च में हिस्सा ले रहे हैं। इन नियमों में संसद के अंदर या बाहर वंदे मातरम और जय हिंद जैसे नारे न लगाने की सलाह दी गई थी, ताकि माहौल बना रहे।

लाल किला विस्फोट

राशिद अली की हिरासत सात दिन के लिए बढाई

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने लाल किला के पास विस्फोट मामले के आरोपी आमिर राशिद अली की एनआईए हिरासत मंगलवार को सात दिन के लिए बढ़ा दी. उसे दो दिसंबर को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेजा गया था. लाल किला के पास विस्फोट में मदद करने के आरोपी जम्मू-कश्मीर निवासी आमिर को 16 नवंबर को गिरफ्तार किया गया था. मंगलवार को उसे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया.एनआईए ने इस मामले में अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

यह मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा भंडाफेड़ किए गए एक 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा हुआ है. दस नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे. यह कार उमर उन नबी चला रहा था.

बंगाल में 'बाबरी' मस्जिद निर्माण

मप्र में दक्षिणपंथी कार्यकर्ताओं ने हुमायूं के खिलाफ किया प्रदर्शन..

अशोकनगर/ एजेंसी

मध्य प्रदेश पुलिस ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' जैसी एक मस्जिद की नींव रखे जाने के विरोध में कुछ हिंदूवादी कार्यकर्ताओं द्वारा भोपाल के सार्वजनिक शौचालयों पर कुछ पोस्टर चस्पा करने की कोशिश को नाकाम कर दिया. तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा छह दिसंबर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में मस्जिद की नींव रखे जाने के बाद सियासी पारा चढ़ गया है. मध्यप्रदेश के अशोकनगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)

के कार्यकर्ताओं ने स्थानीय नेता के नेतृत्व में एक सामुदायिक शौचालय के बाहर 'बाबर शौचालय' नाम का एक पोस्टर चस्पा कर दिया. राजधानी भोपाल में हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच के कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक शौचालय का नाम बदलकर ''बाबर शौचालय'' रखने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस किर्मियों ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया.समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा, ''अगर आप मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो अब्दुल कलाम और बिस्मिल्लाह खान के नाम पर बनाइए. हमें उन आक्रमणकारियों का महिमामंडन क्यों करना चाहिए। और हजारों लोगों की हत्या की? '' अशोकनगर में भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष बबलू यादव ने कहा कि जिस प्रकार 1992 में बाबरी ढांचा तोड़ा गया था, यदि वहां मस्जिद बनाई गई तो उसे भी तोड़ा जाएगा.

दिल्ली आने वाले सिंगापुर एयरलाइन के जहाज में आई बड़ी खराबी, रनवे से वापस लौटा विमान; बाल-बाल बचे यात्री

नई दिल्ली। सिंगापुर से दिल्ली आने वाली फ्लाईट में स्क 402 में सिंगापुर के चांगी एयरपोर्ट पर अचानक बड़ी खराबी आ गई। विमान में 300 से ज्यादा यात्रा सवार थे और सभी ने दिल्ली पहुंचना था। फ्लाईट रात 2.20 मिनट पर टेकऑफ होनी थी और सभी यात्री बैठ भी गए थे। रनवे पर विमान दौड़ने लगा और तभी उसमें कोई बड़ी खराबी आ गई, जिसके चलते यात्रियों को विमान से उतारकर वापस एयरपोर्ट पर छोड़ दिया गया। उसके तीन घंटे बाद नया विमान आया, जिसमें सवार होकर सभी यात्री दिल्ली पहुंचे।

कांग्रेस के शासन में कई बार हुई

मतदाता सूचियों की शुद्धता के लिए एसआईआर जरूरी-मेघवाल

नयी दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मतदाता सूचियों की शुद्धता के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जरूरत बताते हुए मंगलवार को कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में छह से सात बार यह प्रक्रिया लागू की गई थी. मेघवाल ने लोकसभा में 'चुनाव सुधारों पर चर्चा' में कहा कि बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 'एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य' का सिद्धांत प्रतिपादित किया था और आज उसी के आधार पर एसआईआर की जा रही है जिसके अनुसार पात्र मतदाता रहें और अपात्र लोगों के

नाम हट जाएं.मेघवाल ने कहा, ''यह सुनिश्चित करने के लिए आयोग समय-समय पर एसआईआर करता है. मुझे समझ में नहीं आता कि इसमें किसी को क्यों आपत्ति होनी चाहिए. कांग्रेस के समय कितनी बार एसआईआर हुई. वो करें तो ठीक, हम करें तो खराब. यह कैसा विरोधाभास है.'' उन्होंने कहा, ''स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए मतदाता सूचियों की शुद्धता और अखंडता बनाये रखना आवश्यक है. इसके लिए समय-समय पर गहन पुनरीक्षण और समरी (संक्षिप्त) पुनरीक्षण किये जाते हैं और दोहरी प्रविष्टि हटाकर पारदर्शिता लाई जाती है केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हर वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों में विदेशी प्रतिनिधियों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों के लोग निर्वाचन आयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हैं, लेकिन यहां उसके खिलाफ बोलते हैं. उन्होंने कहा कि यह कैसा विरोधाभास है. मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस के समय छह से सात बार एसआईआर की प्रक्रिया हुई है।

राहुल गांधी ने सरकार पर बोला हमला

चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली/ एजेंसी

शीतकालीन सत्र में मंगलवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी चुनाव सुधारों पर हो रही चर्चा में शामिल हुए। चर्चा के दौरान खादी पर बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि, देश के पहनावे में देश की झलक दिखती है। खादी देश का भावना है। हमारा देश 150 करोड़ लोगों से बना है। देश के सारे धागे एक जैसे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस सभी संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है। नाथूराम गोडसे ने गांधी को मारा। यह असहज करने वाला सत्य है। चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सदन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 30 जनवरी, 1948 को महात्मा गांधी की छाती में तीन गोलियां लगीं। नाथूराम गोडसे ने हमारे राष्ट्रपिता की हत्या कर दी। आज हमारे दोस्तों ने उन्हें दूर धकेल दिया है। वह एक असहज सच्चाई हैं, लेकिन प्रोजेक्ट यहीं खत्म नहीं हुआ। जैसा कि मैंने कहा, सब कुछ वोट से निकला है। सभी संस्थाएं वोट से निकली हैं। इसलिए यह साफ है कि आरएसएस को उन सभी संस्थाओं पर कब्जा करना होगा जो वहां से निकली हैं। राहुल गांधी ने कहा, सभी जानते हैं कि कैसे भारत के विश्वविद्यालयों में वाइस चांसलरों की नियुक्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे कोई मतलब नहीं है कि व्यक्ति की योग्यता क्या है, बस उसकी एक योग्यता है कि वह संघ से जुड़ा हो। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्पीकर ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा कि आप चुनाव सुधार पर ही बोलिए, किसी संगठन का नाम मत

लीजिए। राहुल के बायन पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम सभी लोग नेता प्रतिपक्ष को सुनने के लिए ही बैठे हैं। अगर वह विषय पर ही नहीं बोलेंगे, तो क्यों समय खराब कर रहे हैं सबका। सत्ता पक्ष के हंगामे पर राहुल गांधी ने कहा कि मैंने कुछ भी गलत नहीं कहा है। शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा किया गया है। सीबीआई, ईडी पर भी एक संस्था से जुड़े लोगों ने कब्जा किया गया है। तीसरी संस्था चुनाव आयोग पर भी एक संस्था का कब्जा है, जो देश में चुनाव को नियंत्रित करती है। मेरे पास इसके सबूत हैं। भाजपा लोकतंत्र को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रही है। सीजेआई को सीईसी की नियुक्ति प्रक्रिया से हटाया गया। एक तरफ पीएम मोदी और अमित शाह बैठे थे और दूसरी तरफ मैं। किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया। दिसंबर 2023 में नियम बदल यह प्रावधान किया कि किसी भी चुनाव आयुक्त को दंडित नहीं किया जा सकता। यह 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले किया गया। सीसीटीवी और डेटा को लेकर नियम बदले गए। सत्ता के साथ चुनाव आयोग का तालमेल है। यह डेटा का सवाल नहीं, चुनाव का सवाल है। हरियाणा की वोटर लिस्ट में एक ब्राजीलियन महिला की फोटो 22 बार छपी है राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग को कंट्रोल करने का क्या मतलब है?

राहुल ने लगाया वोट चोरी का आरोप

राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग को कंट्रोल करने का क्या मतलब है? वह तस्वीरें यहां नहीं दिखाना चाहता, लेकिन यह चुनाव की चोरी का सवाल है। चुनाव आयोग को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट में एक लाख 22 हजार डुप्लीकेट फोटो छपी हैं। हमने हरियाणा और महाराष्ट्र में वोट चोरी साबित की है। चुनाव सुधार जरूरी हैं। मशीन रीडेबल वोटर लिस्ट सभी राजनीतिक दलों को चुनाव से एक महीने पहले दी जानी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज डिस्ट्रॉय करने का नियम भी बदला जाना चाहिए। वोट चोरी देशद्रोह...हम महान लोकतंत्र हैं।

एसएसपी ने जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारियों की ली एक महत्वपूर्ण बैठक

सड़क पर घूमते और बैठे मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में गौ सेवकों के साथ बैठक करने दिए निर्देश

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा में जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। एसएसपी बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने सड़क पर घूमते और बैठे मवेशियों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में गौ सेवकों के साथ बैठक करने और गौ सेवकों के सहयोग से गौ वंश की तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने दिए निर्देश। उन्होनें सभी राजपत्रित अधिकारियों को अपने सुपरविजन में थाना/चौकी में पंजीबद्ध लंबित चालान, अपराध, मर्ग, गुम इंसान, लंबित शिकायतो का शीघ्र निकाल करने तथा लंबित समंस, लंबित वारंट व ऑपरेशन ईगल अभियान चलाकर स्थायी वारंट की तामिली किये जाने, असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने, अपराध नियंत्रण एवं लघुअधिनियम प्रकरणों में ध्याने देने, गुगल स्प्रीड शीट में लंबित चालान, अपराध, मर्ग, गुम इंसान, लंबित शिकायतो को अलग-अलग गुगल स्प्रीड शीट में एन्ट्री कर अपलोड शीघ्र करने, गुंडा एवं निगरानी बदमाशो की फाईल खोलने एवं तीन से अधिक अपराधो में जिला बदर की कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए गए। एसएसपी ने कहा कि नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुदृढ़ होगी। साथ ही समयबद्ध मामलों का शीघ्र निपटारा कर 60 से 90 दिनों के भीतर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही, उन्होंने तलाशी और जब्ती के दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी को अनिवार्य बताते हुए, मामलों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होनें नए लागू तीन आपराधिक कानूनों - नवीन भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया गया। उन्होनें विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने, रात में गश्त, पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, तथा गोवंश तस्करी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। एसएसपी महोदय ने सायबर प्रहरी अभियान और त्रिनयन एप के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सशक्त एप के माध्यम से वाहनों की चेकिंग कार्यवाही को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इसके साथ ही, स्मार्ट और हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। उन्होनें अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर रखते हुए समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों सहित थाना/चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में शाम को चौक-चौराहों में विजिबल पुलिसिंग के निर्देश दिये गये। विजिबल पुलिसिंग के अंतर्गत पैदल पेट्रोलिंग एवं वाहन पेट्रोलिंग कर भीड-भाड वाले स्थानो, सार्वजनिक स्थानो/सूनसान स्थानों में जमावडा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/अडडेबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की डिक्की, रात्रि में बेफिजुल घुमने वालों सहित आम जगह पर शराब सेवन करने एवं शराब पिलाने की सुविधा उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों एवं अन्य सार्वजनिक स्थान पर चार पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों की लगातार चेकिंग कार्यवाही करने एवं रात्रि गस्त के दौरान संदिग्ध वाहनो की चेकिंग कार्यवाही करने निर्देश दिए गए। उन्होनें कम्यूनिटी पुलिसिंग और अपराध नियंत्रण पर ध्यान देने के साथ-साथ मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने के दिशा-निर्देश भी दिए गए। एसएसपी ने विजिबल पुलिसिंग और चेकिंग अभियान को सक्रिय करने की बात कही। उन्होंने म्यूल अकाउंट धारकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, साइबर क्राइम, और सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे अपराधों के संबंध में आम जनमानस को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होनें संपत्ति संबंधी अपराधों के आदतन आरोपियों पर पैनी नजर रखने और सख्त कार्रवाई करने की बात कही गई। उन्होंने ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को सोशल मीडिया पर सतत निगाह रखने और अधिकारी/कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के साथ कानून और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होनें सीसीटीएनएस योजनांतर्गत एमएलसी/पीएम रिपोर्ट को ऑनलाइन माध्यम से संबंधित अस्पतालों में भेजे जाने तथा एनसीआरबी, नई दिल्ली द्वारा विकसित ई-समंस पोर्टल, समन्वय पोर्टल, साइबर पुलिस पोर्टल के उपयोग और संचालन के संबंध में एवं इस दौरान आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण के लिए टीम भावना से कार्य करने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने म्यूल अकाउंट धारकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, साइबर क्राइम, और सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे अपराधों के संबंध में आम जनमानस को जागरूक करने के निर्देश दिए। महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों के निराकरण के लिए ऑपरेशन मुस्कान चलाने का भी निर्देश दिया गया। संपत्ति संबंधी अपराधों के आदतन आरोपियों पर पैनी नजर रखने और सख्त कार्रवाई करने की बात कही गई। उन्होंने ने सोशल मीडिया पर सतत निगाह रखने और इसके अलावा, चोरी और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग और काम्बिंग गश्त करने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। एसएसपी बेमेतरा ने आम जनता से पुलिस का बेहतर संबंध बनाने, सामुदायिक पुलिसिंग के लिए हमर पुलिस हमर बजार एवं हमर पुलिस हमर गांव अभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों एवं ग्रामों, स्कुल कालेजों में नवीन कानून के संबंध में जागरूकता अभियान चलाने तथा शिकायत/समस्या को लेकर आये महिला आगंतुक /रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पुर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने, आम जनता में पुलिस विभाग का विश्वास बढ़ाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उक्त बैठक में अति. पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह, डीएसपी (मुख्यालय) राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी कौशिल्या साहू उपस्थित रहें।

मॉडिफाई साइलेंसर वाला बुलेट बेमेतरा की सड़को पर तेजगति से दौड़ाना युवक को पड़ा महंगा

बुलेट चालक पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर की गई चालानी कार्यवाही

बेमेतरा। मॉडिफाई साइलेंसर वाला बुलेट बेमेतरा की सड़को पर तेजगति से दौड़ाना युवक को महंगा पड़ गया। बुलेट चालक पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर की गई चालानी कार्यवाही पुलिस द्वारा किया गया। पुलिस द्वारा भारी वाहन, मॉडिफाई साइलेंसर, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा बाइक चालक (बुलेट) मॉडिफाई साइलेंसर का उपयोग कर पटाखे फोड़ने व तेज रफ्तार से बुलेट चलाने वाले चालकों पर चलानी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही युवकों को मोर्डिफाइड साइलेंसर को निकालकर कंपनी द्वारा लगाए गए साइलेंसर का ही उपयोग करने समझाईश दी जा रही है। बेमेतरा पुलिस ने इस दौरान मॉडिफाई साइलेंसर वाले बुलेट को तेजगति से चलाने पर एक बुलेट चालक को पकड़कर उसके खिलाफ यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर धारा 182, (क) (4), 183 (1) (क) मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें बुलेट वाहन चालक के विरूद्ध 01 प्रकरण में 6,000/- रूपये समन शुल्क लिया गया। कार्यवाही के दौरान थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा, प्रधान आरक्षक हेमंत साहू, आरक्षक इंद्रजीत पांडेय, राहुल यादव, बिरेन्द्र साहू सहित सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम शामिल रहे। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जिले के थाना/चौकी एवं बेमेतरा यातायात पुलिस द्वारा लगातार यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक मयंक मिश्रा एवं उनकी टीम द्वारा विशेष अभियान चलाकार मॉडिफाई साइलेंसर का उपयोग कर साइलेंसर द्वारा पटाखे फोड़ने एवं तेज रफ्तार से बुलेट वाहन चलाने, ध्वनि प्रदुषण करने वाले वाहन चालकों पर चलानी कार्यवाही किया गया और मोर्डिफाइड साइलेंसर को निकलवाकर कंपनी द्वारा लगाए गए साइलेंसर का ही उपयोग करने समझाईश दिया गया। बेमेतरा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिजनों को भी इसके लिए प्रेरित करें। यातायात नियमों का पालन करे, पीकअप, मालवाहक वाहन में सवारी न बैठाये, मोटर सायकल में मोडिफाइड साइलेंसर न लगाये, अपने नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देवे, बिना नंबर के वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं हेलमेट अवश्य लगावें। वाहन चलाते समय मोबाईल का उपयोंग न करें। निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और नशे की हालत में वाहन न चलाना न केवल कानून का पालन है बल्कि अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। बेमेतरा पुलिस आपकी सहायता के लिये है, वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें।

मनरेगा में 'दबाव पत्र' से फर्जीवाड़े का खतरा बढ़ा : मांग आधारित योजना में अधिकारियों की जल्दबाज़ी पर सवाल

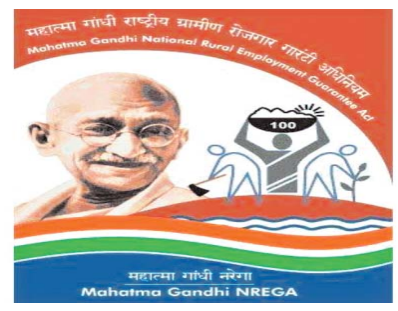

कवर्धा। मनरेगा के क्रियान्वयन को लेकर जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी कड़े और दबावपूर्ण निर्देशों ने अब योजना की पारदर्शिता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकारियों और फील्ड-स्टाफ पर जारी सुधारो नहीं तो जवाब दो प्रकार के पत्रों से यह आशंका गहराती जा रही है कि काम का दबाव बढ़ने पर फर्जी प्रगति रिपोर्ट, कागजी मजदूरी और जल्दबाज़ी में स्वीकृत कार्यों की संभावनाएँ तेज़ हो सकती हैं। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम अधिकारी रमेश कुमार भास्कर, प्रभारी प्रोग्राम अधिकारी दिलीप कुमार साहू, सेव कुमार चंद्रवंशी, बाबूलाल मेहरा, अशोक कुमार झरिया और ता. प्रोग्राम अधिकारी लवकेश मरकाम सहित कई अधिकारियों को एक माह में सुधार के निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि गलत रिपोर्ट, देर से प्रगति भेजना और निर्देशों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। लेकिन विशेषज्ञों व फील्ड कर्मचारियों का कहना है कि ऐसे दबाव पत्र मनरेगा की मूल संरचना से मेल नहीं खाते।

'मांग आधारित योजना' : दबाव में बढ़ सकता है फर्जीवाड़ा

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) एक मांग आधारित योजना है, जिसमें कार्य तभी शुरू होता है जब मजदूर काम की मांग करते हैं। कबीरधाम जिले में मजदूरों की वास्तविक काम-मांग जनवरी के बाद बढ़ती है। नवंबर-दिसंबर के महीनों में ग्रामीण किसान, मजदूर और परिवारजन धान व गन्ना कटाई जैसे कृषि कार्यों में व्यस्त रहते हैं। ऐसे में यदि अधिकारी किसी भी कीमत पर काम दिखाने का दबाव कर्मचारियों पर बनाते हैं, तो– कागजों में मजदूरों की फर्जी मांग बनाई जा सकती है। कार्य स्थल पर वास्तविक उपस्थिति के बिना कागजी मजदूरी दर्ज हो सकती है। जल्दबाज़ी में स्वीकृत कार्यों से अनियमितता और भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। ग्राम पंचायतों में अधूरे काम, बिना निरीक्षण के भुगतान और नियम उल्लंघन की घटनाएँ बढ़ सकती हैं। यही कारण है कि कर्मचारियों का दावा है: दबाव में काम, गड़बड़ी तय।

अधिकारियों की निष्क्रियता अपनी जगह, लेकिन फील्ड स्टाफ पर एकतरफा दबाव खतरनाक

मनरेगा से पलायन रोकने, ग्रामीण सड़क-नाली सुधारने और आजीविका बढ़ाने में बड़ा योगदान मिला है। लेकिन पिछले कुछ समय में रिपोर्टिंग गड़बड़ियों, अधूरे काम, अनुचित ठेकेदारी और ग्राम पंचायत स्तर पर अनियमितताओं की शिकायतें भी सामने आई हैं। कलेक्टर का सख्त रुख निश्चित रूप से जवाबदेही बढ़ाने वाला है, परंतु सुधार का दबाव जब फील्ड पर दबाव में बदल जाता है, तब यह योजना की विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचाता है। ग्राउंड कर्मचारियों का तर्क – काम की मांग ही नहीं है, तो काम कैसे दिखाएँ। स्थानीय कर्मचारियों का कहना है– मजदूर कटाई के मौसम में काम ही नहीं मांगते। पंचायतें कृषि और त्योहारों के समय कार्य शुरू नहीं करना चाहतीं। ऊपर से आए दबाव आदेशों में एक माह में सुधार करना व्यावहारिक नहीं है। यदि जिम्मेदार अधिकारी वास्तविक परिस्थितियों को समझे बिना केवल कागजी प्रगति पर जोर देंगे, तो योजना में कागजी काम और गलत आंकड़े बढ़ेंगे।

कठोर आदेश जरूरी, लेकिन मांग आधारित व्यवस्था में दबाव उल्टा असर डाल सकता है

मनरेगा की सफलता पारदर्शिता, मांग और जनभागीदारी पर निर्भर करती है। यदि अधिकारियों पर दबाव बनेगा, तो वही दबाव फील्ड कर्मचारियों से होकर ग्राम पंचायतों तक पहुँचेगा और अंततः– शुद्ध काम कम, कागजी काम ज्यादा और फर्जीवाड़े की संभावना सबसे अधिक होगी। जिला प्रशासन के आदेश ने जहां जवाबदेही तय करने का संदेश दिया है, वहीं यह भी साफ दिखने लगा है कि दबाव आधारित सुधार, मांग आधारित योजना में जोखिम भी बढ़ाता है।

पटेल समाज में बदलाव की शुरुआत : क्रांतिकारी महाबैठक में भविष्य की नई दिशा तय

कवर्धा। पटेल भवन स/लोहारा में जिला पटेल युवा संगठन की ओर से आयोजित क्रांतिकारी महाबैठक में समाज के विकास और युवाओं के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कवर्धा, खैरागढ़-छुहीखदान-गंडाई और राजनांदगांव के युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में परदेशी पटेल युवा संगठन के संस्थापक ने कहा कि अब समाज के युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। उन्होंने घोषणा की– अब पटेल भवन सिर्फ बैठक की जगह नहीं रहेगा, बल्कि काम और योजनाओं को आगे बढ़ाने का केंद्र बनेगा।

तीन बड़े काम, जिन पर तुरंत शुरुआत होगी

रोजगार और व्यवसाय को बढ़ावा

संगठन युवाओं को अपने काम-धंधे शुरू करने में मदद करेगा। युवाओं को आज के बाजार की जरूरत के हिसाब से ट्रेनिंग दी जाएगी। बड़े व्यापारियों से स्टार्टअप और छोटे व्यवसायों में सहयोग की अपील की गई। सरकारी योजनाओं की मदद से गांवों में छोटे व्यवसाय शुरू करवाए जाएंगे।

शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए विशेष कोष

संगठन ने 'पढ़ाई और स्वास्थ्य कोष' बनाने का फैसला लिया। ताकि आर्थिक कमजोरी की वजह से कोई बच्चा पढ़ाई न छोड़े। बच्चों को अच्छे संस्कार और उपयोगी कौशल देने पर भी जोर रहेगा।

समाज की एकता – एक पटेल, एक परिवार

किसी भी परेशानी में समाज का हर सदस्य एक-दूसरे की मदद करेगा। यह नियम समाज को मजबूत और संगठित बनाए रखने के लिए लागू किया जाएगा।

सामाजिक जनों का संबोधन : शिक्षा और मेहनत पर बल

युवा संगठन के अध्यक्ष भुनेश्वर पटेल ने कहा– हमारा समाज मेहनती है, अपने खेत-बाड़ियों में सब्जियां और फसल उगाकर जीवन चलाता है। लेकिन अब हमें मेहनत के साथ आधुनिक तकनीक और अच्छी शिक्षा को भी अपनाना होगा। शिक्षा सिर्फ नौकरी के लिए नहीं, बल्कि अच्छा जीवन जीने की समझ देती है। पटेल समाज के जिलाध्यक्ष शंकर पटेल ने कहा– हम प्रकृति से जुड़े, परिश्रमी और स्वाभिमानी लोग हैं। हमारी मेहनत ही हमारी असली पहचान है। कार्यक्रम को भगवान सिंह पटेल, राजू पटेल, सुखदेव पटेल, रामकुमार पटेल और महेश पटेल ने भी संबोधित किया।

कलयुग में सबसे बड़ा पुण्य परोपकार और नाम-जाप : स्वामी ज्योर्तिमयानंद

बेमेतरा। नगर के कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित गौ प्रतिष्ठा यज्ञ एवं शिवमहापुराण कथा का तीसरे दिन भी प्रातः काल से यज्ञ स्थल की परिक्रमा श्रद्धालुओं द्वारा अनवरत किया जा रहा है सनातन धर्मी प्रातः काल से यज्ञ भगवान की पूजा एवं परिक्रमा में पुरी श्रद्धा से लगे रहे प्रातः काल से यज्ञाचार्यो द्वारा शिवगंगा आश्रम सलवा के बटुकों के साथ मंत्रोच्चारण करते हुए मण्डी परिसर का माहौल पुरा धार्मिक हो रहा है। स्वामी ज्योर्तिमयानंद ने शिवमहापुराण कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा शिवमहापुराण की कथा भगवान शिव के जीवन महिमा और लीलाओं का वर्णन करती है। इसमें शिव के विवाह उनके अवतारों, ज्योतिर्लिंगों और भक्तों की कहानीयों के साथ साथ पूजा पद्धति और ज्ञान प्रद आख्यानों का भी विस्तृत वर्णन है। यह शिव की कल्याणकारी और सर्वोच्च सत्ता के रूप में उनकी शक्ति, करुणा और ज्ञान पर केन्द्रित है। शिवमहापुराण में भगवान शिव की महिमा, अवतारों, शिव-पार्वती की कथा सृष्टि की रचना और शिवभक्ती के मार्गो का विस्तृत वर्णन है। जिसमें शिव को परमेश्वर और कल्याणकारी रुप में दिखाया गया है। यह भक्तों को मोक्ष और सुख प्राप्त करनें का मार्ग बताता है, इसमें शिव भक्ती और कलयुग के धर्म-अधर्म का भी उल्लेख है। कलयुग में सबसे बड़ा पुण्य परोपकार और नाम-जाप है इस युग में धर्म का पतन और मनुष्य भौतिकता में लिप्त है। ऐसे में दूसरों की मदद करना सेवा करना और भगवान का स्मरण करना सबसे सरल और प्रभावी मार्ग माना गया है। जिससे आध्यात्मिक उन्नति होती है। और जीवन सार्थक बनता है। शिवमहापुराण के आरती के पश्चात स्वामी ज्योर्तिमयानंदः सरस्वती के साथ नगर के नर नारी यज्ञ भगवान की आरती में बड़ी संख्या में शामिल हुए।आज आयोजन में मुख्य रूप से गुड्डु गुप्ता, रोशन दत्ता, लेखमणी पाण्डेय, जितेन्द्र शुक्ला, मनोज मिश्रा, लव मिश्रा, सुमित चौबे, निति अग्रवाल, अनिता मिश्रा, हेमिन साहू, सरस्वती साहु, कुंती साहू, वर्षा गौतम माधवी शर्मा के साथ नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने जागरुकता रथ को हरी झंड़ी दिखाकर किया रवाना

बेमेतरा जिले के सभी विकासखण्ड में चलेगा 8 से 31 दिसम्बर तक सघन कुष्ठ खोज अभियान

बेमेतरा। बेमेतरा जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन कुष्ठ खोज अभियान का आरंभ सीएमएचओ कार्यालय में जागरूकता रथ को सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर ने हरी झंडी दिखा कर किया, यह अभियान 8 दिसम्बर से शुरुआत किया गया जो कि 31 दिसम्बर तक चलाया चलेगा, संचालक, महामारी नियंत्रण छत्तीसगढ़, संचालनालय स्वास्थ्य सेवायें, छ.ग. के निर्देशानुसार कलेक्टर रणबीर शर्मा एवं सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर व जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ बी एल राज के मार्गदर्शन पर सघन कुष्ठ खोज अभियान चलाया जा रहा है, यह अभियान बेमेतरा जिला में कुष्ठ रोग के उन्मूलन के उददेश्य से समुदाय में कुष्ठ रोग के संक्रमण को रोकने हेतू प्रत्येक रोगियों का प्रारंभिक अवस्था में पहचान किया जाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि रोग के प्रसार में नियंत्रण हो, एवं कुष्ठ संबंधी विकलांगता से बचा जा सके जिस हेतु बेमेतरा जिले के सभी विकासखंडों में 08 दिसबंर से 31 दिसबंर 2025 तक सघन कुष्ठ खोज अभियान चलेगा, इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य अमले द्वारा घर-घर भ्रमण कर कुष्ठ के संभावित व्यक्तियों की पहचान कर उनकी जॉच एवं पुष्टि करेगी। इस सघन कुष्ठ खोज अभियान के सफल संचालन एवं सतत् निगरानी हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों का विकासखण्डो में मॉनिटरिंग / सुपरविजन करने हेतु निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। डॉ. बी.एल. राज जिला नोडल कुष्ठ अधिकारी साजा विकासखण्ड, लता बंजारे जिला कार्यक्रम प्रबंधक बेमेतरा विकासखण्ड, हिना सिन्हा, संपत्ति बंजारे जिला कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम नवागढ़ विकासखण्ड, गुलाब चंद साहू प्रभारी जिला कुष्ठ समन्वयक, अर्जुन लाल बेरला विकासखण्ड शामिल हैं। इसके साथ ही समस्त जिला का मॉनिटरिंग / सुपरविजन स्वयं डॉ. अमृत लाल रोहलेडर सीएमएचओ जिला बेमेतरा द्वारा किया जाएगा। इस सघन कुष्ठ खोज अभियान में संभावित कुष्ठ रोग की पहचान, संवेदना जांच, त्वचा परीक्षण, स्किन स्मीयर जांच के साथ एमडीटी दवा की जानकारी दी जाएगी। सीएमएचओ डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि कुष्ठ एक संक्रामक रोग है, जिसकी प्रारंभिक पहचान और समय पर उपचार से पूर्ण इलाज संभव है। उन्होंने बताया कि जिले का प्रीवलेंस रेट वर्तमान में 1.08 है, जिसे घटाकर 1 से कम करने का लक्ष्य है। इसके लिए 8 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक सघन कुष्ठ सर्वे अभियान चलाया जा रहा हैं। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. बी एल राज ने बताया कि वर्ष 2030 तक कुष्ठ उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित है। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि मितानिन एवं स्वास्थ्य कर्मियों को सहयोग करे और शरीर में दाग-धब्बा या सुन्नपन होने पर जांच अवश्य कराएं।

एसएसपी ने किया रक्षित केन्द्र बेमेतरा का रात्रि में औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

बेमेतरा। पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने रक्षित केन्द्र बेमेतरा (पुलिस लाईन) में रात्रि में पहुच कर औचक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होनें रक्षित केन्द्र बेमेतरा में आर्म्स शाखा, रोजनामचा कक्ष, क्वाटर गार्ड सहित रक्षित केन्द्र के विभिन्न शाखाओं का जायजा लेकर आर्म्स शाखा में सभी शस्त्रों के उचित रख-रखाव एवं मरम्मत पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान गार्ड एवं उनके हथियार को भी चेक किया गया। शासकीय वाहनों के उचित रख-रखाव हेतु वाहन शाखा प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिए गए। उन्होंने पुलिस कस्टडी में सुरक्षा के संबंध में विशेष सावधानी बरतने और हथकड़ी लगाने की विधि में प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होनें सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को अनुशासन में रहने एवं आकस्मिक डियूटी हेतु सदैव तत्पर रहने। रक्षित केन्द्र और परेड ग्राउंड को साफ-सुथरा एवं अद्यतन रखने हेतु निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थानों और चौकियों में आने वाले पीड़ितों की शिकायतों पर संवेदनशीलता से त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि आम जनता में पुलिस की सकारात्मक छवि बनी रहे। उन्होंने दोहराया कि अनुशासन ही पुलिस व्यवस्था की बुनियाद है और किसी भी स्तर की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। औचक निरीक्षण के दौरान प्रधान आरक्षक अनुपम शर्मा, राकेश मेरावी, प्रधान आरक्षक आर्म्स शाखा खिलेन्द्र साहू, आरक्षक मुकेश यादव, तारण घितोड़े, संजीव साहू, संजय सप्रे, रामाधीन ध्रुव, कमलेश साहू, ओमप्रकाश बांधे एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

वन मंत्री के निर्देश पर तेंदुआ शिकार प्रकरण में त्वरित कार्रवाई, चार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के सख्त निर्देशों के बाद कांकेर जिले में तेंदुआ शिकार प्रकरण पर वन विभाग ने तेज और प्रभावी कार्रवाई की। नरहरपुर परिक्षेत्र के देवी नवांगांव के पास 4 दिसम्बर को एक नर तेंदुआ मृत अवस्था में मिला था। तेंदुए के चारों पैर कटे हुए पाए गए, जिससे अवैध शिकार और अंग तस्करी की आशंका की पुष्टि हुई। सूचना मिलते ही वन अमले ने मौके पर पहुंचकर कूंए से तेंदुए के शव को बाहर निकाला तथा पशु चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम कराकर आवश्यक पंचनामा तैयार कराया गया। घटना को गंभीर मानते हुए अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध वन अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। वन मंत्री श्री कश्यप के निर्देशों के अनुरूप वरिष्ठ अधिकारियों मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) श्री जगलदेव मंडावी तथा वन संरक्षक राजेश कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में आरोपियों की सतत तलाश की गई। विभाग की विशेष टीम ने आज 6 दिसंबर को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपी में शखुदन पिता नारायण उम्र 51 वर्ष, श्रवण पिता महेंद्र उम्र 19 वर्ष, छबिलाल पिता बुदराम उम्र 35 वर्ष और बुदराम पिता अमरसिंह उम्र 71 वर्ष शामिल है। गिरफ्तार इन आरोपियों के पास से तेंदुए के कटे हुए चार पैर (नाखून सहित) बरामद किए गए। शिकार में उपयोग की गई कुल्हाड़ी, रस्सी, लकड़ी आदि सामग्री भी जब्त की गई। पूरे प्रकरण को वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। जांच में ग्राम कोटवार, पटेल और स्थानीय ग्रामीणों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने टीम की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और अवैध शिकार में संलिप्त व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

छग में कड़ाके की ठंड शुरू, बस्तर का न्युनतम तापमान 3 डिसी दर्ज

रायपुर। उत्तरी हवाओं का छग में प्रभाव पिछले 48 घंटों से दिखना शुरू हो गया है। प्रदेश में अब कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। रविवार सुबह बस्तर का न्युनतम तापमान 8.9 डिसी दर्ज किया गया। बदले मौसम के चलते आगामी 48 घंटों में बस्तर सरगुजा सहित संपूर्ण छग में शीतलहर चलने की संभावना आईएमडी एजेंसी ने व्यक्त की है। आईएमडी एजेंसी के अनुसार आज सुबह 8.30 बजे प्रदेश के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। सुबह सरगुजा में तापमान गिरकर 4.6 डिसी पर पहुंच गया है। प्रदेश के उत्तरी एवं मध्य भागों में तापमान में लगातार गिरावट दर्ज होने से दो से 6 डिसी तापमान में कमी महसूस की गई है। प्रदेश में कोरिया जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा में तापमान में तेजी से गिरावट होने के चलते ठिठुरन के साथ कड़ाके की ठंड का सामना क्षेत्रवासियों को करना पड़ रहा है। सरगुजा कोरिया एवं जशपुर में वहां के नगर पालिका प्रशासन द्वारा चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था भी की गई है। आईएमडी के अनुसार उत्तरी पश्चिम दिशा से आ रही शुष्क और ठंडी हवाओं के चलते आगामी 72 घंटों में तापमान और गिरावट दर्ज की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने संबंधित क्षेत्र के निवासियों से अत्यधिक ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने की अपील करते हुए सिर्फ काम के समय ही घर से बाहर निकलने की अपील की है। इसके साथ ही देर रात तक घूमने वालों से भी स्वास्थ्य रक्षा की दृष्टि से घर में रहने की सलाह दी गई है।

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में फिर एक बार लागू होगा सहायक वाचन, इतिहास और संस्कृति पढ़ेंगे छात्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में एक बार फिर सहायक वाचन लागू होने वाला है। इसे नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू किया जाएगा। प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने इसे दोबारा लागू करने के लिए जरूरी निर्देश दिए है। वहीं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एसईआरटीसी) और साक्षरता मिशन को सहायक वाचन की किताब तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। स्कूलों में सहायक वाचन लागू होने से कक्षा तीसरी से आठवीं तक के स्कूली छात्र देश-प्रदेश के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं, कला, नदियों और विरासत के बारे में सरलता और गहराई से पढ़ सकेंगे। इसकी किताबों में क्रांतिकारी, शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और महापुरुषों की जीवन गाथाएं विशेष रूप से शामिल होंगी। जिससे बच्चों को राष्ट्र और समाज निर्माण में उनके योगदान की जानकारी मिल सके। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने हाल ही में हुई समीक्षा बैठक में सहायक वाचन को पुन: लागू करने के निर्देश दिए थे। इसका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और बच्चों को अपने प्रदेश तथा देश के गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित कराना है। मंत्री के निर्देश पर स्कूल शिक्षा विभाग ने इसके लेखन और सामग्री निर्माण का काम शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, सहायक वाचन की नई पुस्तकों में छात्रों की उम्र के अनुसार सरल भाषा, प्रेरक प्रसंग और शिक्षाप्रद घटनाओं को शामिल किया जाएगा। जिससे बच्चों में पढ़ने की आदत मजबूत हो और उनमें अपने प्रदेश तथा राष्ट्र के प्रति समझ और जुड़ाव बढ़े। विभाग का मानना है कि इस पहल से न सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि नई पीढ़ी अपने इतिहास और सांस्कृतिक पहचान को भी अधिक गहराई से समझ सकेंगे। तैयारी तेज गति से चल रही है और समय पर इसे लागू करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिशु मंदिर के मेधावी युवाओं ने भरी प्रशासनिक सेवा की उड़ान

रायपुर। प्रदेश के विभिन्न शिशु मंदिर विद्यालयों में अध्ययन कर पीएससी 2025 में सफलता प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों ने आज शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से उनके रायपुर स्थित शासकीय निवास में सौजन्य भेंट की। मंत्री यादव ने सभी चयनित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा प्रशासनिक सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु प्रेरित किया। नवा रायपुर स्थित आवास में आयोजित इस मुलाकात के दौरान शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिशु मंदिर संस्थान विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ संस्कार, राष्ट्रप्रेम और अनुशासन का अद्भुत समन्वय प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफलता ही नहीं दिलाती, बल्कि उन्हें भविष्य में सशक्त समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाने योग्य भी बनाती है। मंत्री यादव ने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध कराने निरंतर प्रयासरत है। प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल वृद्धि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहलें कर रही है।

ऑडिट पखवाड़ा के समापन समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

लोकतांत्रिक ढांचे में कैग की सर्वोच्च भूमिका-राज्यपाल

- कैग की भूमिका प्रशासनिक सुधार, नवाचार एवं पारदर्शिता को प्रोत्साहित करना है

रायपुर/ संवाददाता

महालेखाकार कार्यालय के आवासीय परिसर स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री डेका ने अपने उद्बोधन में कहा कि लेखा परीक्षा केवल सरकारी व्यय और राजस्व की जांच तक सीमित नहीं है, यह प्रशासनिक पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन, और जनसेवा में उत्तरदायित्व का एक सशक्त माध्यम है। हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की सर्वोच्च भूमिका है। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज प्रधान महालेखाकार कार्यालय में ऑडिट पखवाड़ा 2025 के समापन समारोह में शामिल हुए। लेखा परीक्षा दिवस के अवसर पर 20 नवम्बर से 8 दिसंबर 2025 तक यह सप्ताह आयोजित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग का इतिहास गौरवशाली रहा है। इसकी नीव ब्रिटिश शासन के दौरान 1858 में प्रारंभ हुई लेखा परीक्षा व्यवस्था से जुड़ी हुई है। स्वतंत्रता के बाद हमारे संविधान निर्माताओं ने इस संस्था की महत्ता को समझते हुए इसे संवैधानिक प्राधिकरण का दर्जा प्रदान किया। श्री डेका ने कहा कि तेजी से बढ़ते डिजिटल प्रशासन के दौर में कैग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह संस्था केवल कमियों को उजागर नहीं करती, बल्कि प्रशासनिक सुधार, नवाचार एवं पारदर्शिता को प्रोत्साहित करती है। यह न केवल सरकारी कार्यों में वित्तीय अनुशासन लाने का कार्य करता है, बल्कि भ्रष्टाचार और अनियमितताओं को रोकने

का महत्वपूर्ण दायित्व भी निभाता है। इस विभाग के अधिकारियों की निष्पक्षता और कर्मठता ने इसे एक सशक्त संस्थान के रूप में स्थापित किया है। अधिकारियों की मेहनत और ईमानदारी से जनता का भरोसा मजबूत होगाराज्यपाल ने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे इस प्रतिष्ठित संस्था की परंपराओं को बनाए रखते हुए निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। उनकी मेहनत और ईमानदारी से ही जनता का भरोसा और मजबूत होगा। जीवन में एक कार्य ऐसा करें जिसमें लेने का नहीं बल्कि देने का हो, जिससे हमारा देश 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्रधान महालेखाकार श्री यशवंत कुमार ने दिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन महालेखाकार (लेखा परीक्षा) श्री मोहम्मद फैजान ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने सामुदायिक भवन परिसर में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में महालेखाकार कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वतंत्रता सेनानियों और पूर्व सैनिकों की स्मृति संरक्षण के लिए राज्यपाल की पहल

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्वतंत्रता सेनानियों और देश की रक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले पूर्व सैनिकों की स्मृति को संरक्षित करने के लिए ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। राज्यपाल श्री डेका ने आज लोकभवन में राजधानी रायपुर के कलेक्टर श्री गौरव सिंह से इस संबंध में चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से स्वतंत्रता सेनानी श्री रामकृष्ण तिवारी का उल्लेख किया जिन्होंने आजादी के आंदोलन में परिवार सहित अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। उन्होंने जेल, त्याग और संघर्ष की कठिन यातनाएं झेलीं।

कांग्रेस के ट्रेनिंग कैम्प में ट्रिपल टी और ट्रिपल पी की चरण-वंदना का पाठ पढ़ाया जाएगा.....

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के वन एवं सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस के सभी 41 नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग देने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ आने की खबरों के मद्देनजर कटाक्ष करते हुए कहा है कि कांग्रेस में तो संगठनात्मक प्रशिक्षण का तो कोई कॉन्सेप्ट कभी नजर ही नहीं आया है, तो प्रस्तावित ट्रेनिंग कैम्प में 10 दिनों तक कार्यकर्ताओं को 'ट्रिपल टी' ('ट्रांसफर, टेण्डर और टिकट) की सीख ही दी जाएगी, 'ट्रिपल पी' (परमपूज्य पोलिटिकल परिवारवादी पार्टी) की चरण-वंदना का पाठ पढ़ाया जाएगा। प्रदेश के वन मंत्री कश्यप ने दरअसल कांग्रेस का राजनीतिक चरित्र ही झूठ बोलकर जनता को गुमराह करना और येन-केन-प्रकारेण अराजकता फैलाने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाना ही है। ऐसे में कांग्रेस के राहुल गांधी से लेकर तमाम केंद्रीय व प्रदेश नेता अपने

जिला अध्यक्षों को क्या 10 दिनों तक यही ट्रेनिंग देने आ रहे हैं? कांग्रेस में प्रशिक्षण के नाम पर क्या पाठ पढ़ाया जाता रहा है, यह देश भलीभाँति जानता। युवा कांग्रेस के लोग तो एक बार ट्रेनिंग लेने के बाद ऐसा कहर बरपा चुके हैं कि युवा कांग्रेस के कांग्रेस की गुण्डावाहिनी कहा जाने लगा था। इसी प्रकार एनएसयूआई के लोगों ने ट्रेनिंग लेकर लौटते समय लूटपाट और तोड़फोड़ करके कहर बरपाया था। कश्यप ने कहा कि जिस कांग्रेस का संगठनात्मक ढाँचा ही पूरी तरह चरमरा चुका है, उस कांग्रेस में ले-देकर चले संगठन सृजन अभियान केवल सियासी नौटंकी साबित हुआ है। संगठन सृजन के दावे हवा-हवाई ही निकले क्योंकि दिग्गजों के करीबियों को ही अंतत: कमान सौंप दी गई। उसमें भी लेन-देन, गुटबाजी और परस्पर आरोप-प्रत्यारोप के चलते उसमें भी वह फिस्डी ही साबित हुई। युवा नेतृत्व को आगे लाने की बातें जुमलेबाजी ही साबित हुई हैं। हैरत की बात तो यह है कि जिस बस्तर सम्भाग के दन्तेवाड़ा जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस में घमासान मचने का आगाज हो गया है और जहाँ वोट चोरी के कांग्रेसी जुमले को कांग्रेस के लोग कांग्रेस नेतृत्व पर ही थोप रहे हैं, उसी बस्तर में प्रस्तावित कांग्रेस के ट्रेनिंग कैम्प में गुटबाजी में उलझी कांग्रेस के बड़े नेता अपने-अपने जिला अध्यक्षों को कौन-सी ट्रेनिंग देंगे, यह सहज ही समझा जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री के प्रयासों से कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को मिली नई दिशा

- दो वर्षों में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को लेकर किए गए कई महावपूर्ण पहल
- लखपति दीदी योजना ने महिला समूहों को दिखाई आर्थिक प्रगति की राह

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा के महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को लेकर किए गए सतत प्रयासों ने कवर्धा में महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा प्रदान की है। महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ना, उनके शिक्षा और रोजगार के लिए की गई पहल के साथ महतारी वंदन योजना ने महिलाओं को सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की पहचान बन चुकी महतारी वंदन योजना से कवर्धा विधानसभा की 1 लाख 30 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें प्रति माह 1 हजार रुपये के मान से अब तक 251 करोड़ 63 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। योजना की 21 किश्तों की राशि खाते में दी जा चुकी हैं, और कुछ दिन पहले 22 वीं किश्त भी जारी कर दी गई है। कई महिलाएं इस राशि का उपयोग अपने बच्चों के बेहतर पढ़ाई लिखाई में कर रही हैं, तो कई ने घर के अन्य खर्चों को वहन करने में किया। श्री विजय शर्मा के प्रयासों से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत कवर्धा विधानसभा के 409 कन्याओं का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न कराया गया, जिसमें उपमुख्यमंत्री स्वयं बाराती बनकर शामिल हुए और नवयुगल दंपत्तियों को शुभाशीष प्रदान किया। सुदूर वनांचल क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क सोनोग्राफी की सुविधा शुरू की गई है, जिससे अब तक 1000 से अधिक महिलाओं को लाभ मिला है। समय पर होने वाली जांच से गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की ठीक से मॉनिटरिंग संभव हो रही है। किसी प्रकार के जटिल और गंभीर मामलों में समय पर इलाज संभव हो सकता है। यह जांच शिविर जच्चा और बच्चा दोनों की सेहत की सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। महिला स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कवर्धा की 100 से अधिक महिलाओं को उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सिलाई मशीन वितरित किया है।

मुख्यमंत्री साय सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल

शिक्षा ही सामाजिक विकास का मूलमंत्र-सीएम विष्णुदेव साय...

रायपुर। संवाददाता

सामाजिक विकास का वास्तविक आधार शिक्षा है। चाहे जीवन जीने की कला हो, व्यापार हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र हर क्षेत्र में सफलता का पहला कदम शिक्षा ही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रदेश सर्व रविदास समाज के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने मंच पर सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें शुभकामनाएँ दीं।मुख्यमंत्री विष्णु

देव साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रारंभ से ही शिक्षा के स्तर को उन्नत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य गठन के समय जहाँ मात्र एक मेडिकल कॉलेज था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में आईआईटी, ट्रिपल-आईटी, आईआईएम, लॉ यूनिवर्सिटी, एम्स, सिपेट जैसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को बड़े अवसर प्राप्त हुए हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि समाज को मजबूत और संगठित होना समय की आवश्यकता है, क्योंकि संगठित समाज ही राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मूलमंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य सरकार 23 महीनों से सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।

सट्टा खिलाने वाले आरोपी के कब्जे से 4नग सट्टा पर्ची एवं 3200 रुपया बरामद

रायपुर। एसपी के निर्देश पर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य शहर में सट्टा खिलाने वाले व्यक्ति पर बस्तर पुलिस की कार्यवाही करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। कोतवाली पुलिस को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिला कि जमाल मिल के पीछे विनायक स्वामी नाम का व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा जुआ खिलाया जा रहा है। सूचना पर मौके पर जाकर आरोपी विनायक स्वामी को हिरासत में 4 नग सट्टा पर्ची, 3200 रुपया नकदी के साथ पकड़ा। सट्टा खिलाने का वैध दस्तावेज नहीं होने पर विधिवत कार्यवाही किया गया। कार्रवाई करने वाले दल में निरीक्षक भोला सिंह राजपूत।

उपमुख्यमंत्री ने 82.24 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

सरगुजा का अब तेजी से हो रहा विकास-उपमुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज सरगुजा संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर में 82 करोड़ 23 लाख 71 हजार रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने शहर के स्वच्छता पार्क में 50 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित अटल परिसर के लोकार्पण के साथ ही लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन भी किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े तथा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरगुजा तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। केवल 23 महीनों में ही अम्बिकापुर शहर के विकास के लिए 209 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा सरगुजा संभाग में सड़कों के कायाकल्प के लिए 1737 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विष्णु के सुशासन में प्रदेश सरकार तेजी से विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज लोकार्पित और भूमिपूजन किए गए कार्यों से सरगुजा में न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि पर्यटन, कृषि और स्थानीय व्यापार को नई दिशा मिलेगी। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने अपने संबोधन में कहा कि शहर के विकास के लिए स्वीकृत बड़े कार्यों से अम्बिकापुर का तेजी से विकास होगा और जन सुविधाएं बढ़ेंगी। उन्होंने स्वीकृत सभी कार्यों के लिए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के प्रति शहरवासियों की ओर से आभार व्यक्त किया। विधायक श्री प्रबोध मिंज और श्री रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव,

छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल और नगर निगम के कमिश्नर श्री डी.एन. कश्यप सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने लोक निर्माण विभाग द्वारा कुल 27 करोड़ 94 लाख 86 हजार रुपए की लागत से बनाए जाने वाले छह सड़कों का भूमिपूजन किया। इनमें फरसाबहार धरमपुर मार्ग, लंबाई 4 किमी, लागत 602.58 लाख, बतौली शांतिकुंज मार्ग, लंबाई 3 किमी, लागत 344.16 लाख, फरसाबहारङ्कजनरलगो सड़क, लंबाई 3.50 किमी, लागत 373.58 लाख, डूमरपाखना पेण्डरमारी रोड, लंबाई एक किमी, लागत 260.56 लाख, कटकोना शिवान रोड, लंबाई 4.20 किमी, लागत 504.05 लाख तथा पोईबोहरा गुढ़उपूरीगुड़ा बुढ़ा गांव मार्ग, लंबाई 5 किमी, लागत 709.93 लाख शामिल हैं। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा, व्यापारिक गतिविधियों को सुगमता मिलेगी और ग्रामीण संपर्क मार्ग मजबूत होंगे। श्री साव ने अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 33 करोड़ 78 लाख 75 हजार रुपए की लागत के छह शहरी परियोजनाओं का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल परिसर के लोकार्पण के साथ ही 11 करोड़ 59 लाख रुपए के माँ महामाया कॉरिडोर निर्माण तथा दो करोड़ 39 लाख रुपए लागत के पुष्प वाटिका, सरगवा पार्क तथा पेयजल पाइप लाइन विस्तार कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने दो करोड़ 76 लाख रुपए के दीनदयाल उपाध्याय मांगलिक भवन, 11 करोड़ 18 लाख रुपए के नालंदा परिसर तथा पांच करोड़ 35 लाख रुपए लागत के स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कार्यों के लिए भी भूमिपूजन किया।

संपादकीय

क्या नई डिजिटल जासूसी की शुरुआत?

इसमें कोई दोराय नहीं कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर फर्जीवाड़ा तथा इससे जुड़े अन्य अपराधों ने एक जटिल शक्ल अख्तियार कर ली है और उससे निपटने के लिए ठोस उपाय जरूरी हैं। मगर सवाल है कि अपराध या जोखिम से बचाव के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी औजार को क्या एक नए तरह की असुरक्षा का वाहक बनने की इजाजत दी जा सकती है।केंद्रीय संचार मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी एक आदेश के तहत यह कहा गया था कि सभी स्मार्टफोन कंपनियां नब्बे दिनों के भीतर अपने स्मार्टफोन में सरकार द्वारा तैयार किए गए साइबर सुरक्षा एप 'संचार साथी' को पहले से ही इस तरह इंस्टाल करें कि उसे डिलीट और प्रतिबंधित या अक्षम नहीं किया जा सके। सरकार के मुताबिक, यह एप मोबाइल उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रपट लिखवाने के साथ-साथ चोरी हुए मोबाइल की जानकारी देने में मदद करता है। प्रथम दृष्टया सरकार की यह पहल तेजी से फैल रहे डिजिटल फर्जीवाड़े और इससे जुड़ी अन्य गड़बड़ियों से बचाना दिखता है, मगर किसी भी स्मार्टफोन की बाकी सुविधाओं तक इस एप की पहुंच और इसके काम करने के तरीके के संबंध में जैसे तथ्य सामने आए हैं, उसे लेकर स्वाभाविक ही इसका तीखा विरोध शुरू हो गया है। वहीं केंद्र सरकार ने संचार साथी एप पर बढ़ते विवादों के बीच एप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने का फैसला किया है। दूरसंचार मंत्रालय ने इसकी जानकारी एक्स पोस्ट के जरिए दी है।यों संचार साथी एप पहले से ही इंटरनेट पर 'सर्च इंजन' पर मौजूद है, लेकिन अब तक इसे उपयोगकर्ता स्वैच्छिक तौर पर ही अपने स्मार्टफोन में डाउनलोड करते रहे हैं। ताजा आदेश में जिस तरह इसकी अनिवार्यता को लागू करने की बात कही गई, उसके बाद सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे हैं। विपक्षी दलों की ओर से यह आशंका जताई गई है कि सरकार इसके जरिए व्यक्ति की निजता के अधिकार को खत्म कर उसकी हर गतिविधि की जासूसी करना चाहती है या उसकी निगरानी करना चाहती है। किसी स्मार्टफोन में इंस्टाल होने के बाद संदेशों से लेकर अन्य जरूरी सुविधाओं तक पहुंच होने की वजह से संचार साथी के बेजा इस्तेमाल को लेकर भी अनेक आशंकाएं सामने आने लगी हैं। अगर वे सही उतरीं, तो इसकी क्या गारंटी है कि इस एप के जरिए न केवल लोगों की निजता के अधिकार को ताक पर रखा जाएगा।

पुतिन की भारत यात्रा- नयी विश्व राजनीति की आहट

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हुईजब वैश्विक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं।

(ललित गर्ग)

यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुखोई-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है। पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है। भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है। भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं। पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया। इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अमेरिकी कंपनियों में छंटनी का असर दुनिया पर पड़ेगा

(फ्रैंक एफ इस्लाम)

अमेरिका के लोगों ने पिछले हफ्ते आर्थिक सुस्ती के बीच अपना 'थैंक्स गिविंग डे' मनाया। अमेरिकी प्रौद्योगिकी उद्योग (टेक इंडस्ट्री) से अधिक दबाव में इस वक्त शायद ही कोई अन्य क्षेत्र है। हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, मेटा, इंटेल, गूगल, यूपीएस, टारगेट, आईबीएम जैसी बड़ी टेक्नोलॉजी व लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने हजारों की संख्या में छंटनी की घोषणा की है।

'करियर ट्रांजिशन फर्म', यानी लोगों को नए रोजगार ढूंढ़ने व संस्थानों को कर्मचारियों के प्रबंधन में मदद करने वाली कंपनियां) चैलेंजर, ग्रे ऐंड क्रिसमस ने गुरुवार को एक रिपोर्ट जारी की, जिससे पता चलता है कि अक्तूबर में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की नौकरियों में कटौती पिछले साल के मुकाबले 175 प्रतिशत बढ़ गई। यह महामारी के शुरुआती वर्षों के बाद की सबसे ऊंची दरों में एक है।

इससे एक अहम सवाल पैदा होता है- जब अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, तब इतनी छंटनी की आखिर वजह क्या है? पहली वजह तो अतिरेक के बाद होने वाले सुधार में निहित है। दरअसल, कोविड-19 के बाद तकनीकी कंपनियों में भर्तियों का ऐतिहासिक दौर शुरू हो गया। उनका मानना था कि अब ज्यादातर इंसानी गतिविधियां स्थायी रूप से ऑनलाइन हो जाएंगी। कंपनियों ने क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल मंचों पर अरबों डॉलर का निवेश कर अपने संचालन तंत्र को इस तरह आगे बढ़ाया, मानो महामारी के दौर वाली मांग कभी कम ही न होगी। नतीजा यह हुआ कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के कमोबेश हरेक क्षेत्र में क्षमता से अधिक लोग दिखने लगे। हालात जब सामान्य हुए, तब मांग कम हो गई, नतीजतन साल 2022 के बाद से तमाम दिग्गज टेक कंपनियां महामारी के समय की भर्तियों को कम करने में जुट गईं।

दूसरी वजह कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) का तेजी से बढ़ता प्रभाव है, जो कंपनियों की प्राथमिकताओं और रोजगार ढांचे को नया आकार दे रहा है। जैसे-जैसे एआई का दखल बढ़ने लगा है, कंपनियां नई तकनीकी क्षमताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए अपने कार्यबल को नया रूप देने लगी हैं। फिर चाहे वह कंटेट निर्माण का क्षेत्र हो, या डाटा विश्लेषण का या फिर कोडिंग का। जो नौकरियां कभी जरूरी थीं, वे अब बेमानी हो गई हैं। कंपनियां अपने खर्च बचाने के लिए न केवल कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं, बल्कि स्वचालन की ओर भी शिफ्ट हो रही हैं।

तीसरी वजह है आर्थिक अनिश्चितता, जो ट्रंप प्रशासन की अप्रत्याशित नीतियों के कारण और बढ़ गई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भले अपना चुनाव अभियान आर्थिक स्थिरता लाने के नाम पर चलाया था, लेकिन वह इसके बजाय टैरिफ, व्यापारिक उथल-पुथल और अनिश्चितता के वाहक बन गए हैं। चीन, मेक्सिको और भारत से जरूरी आयात पर टैरिफ ने अमेरिकी उत्पादकों और टेक कंपनियों, दोनों की आर्थिक परेशानी बढ़ा दी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा एच-1बी वीजा की नई फीस 1,00,000, डॉलर करने का मकसद बाहरी लोगों को नौकरी देने से रोकना है। इस फैसले ने कंपनियों और कामगारों, दोनों के लिए अनिश्चितता बढ़ा दी है।

छंटनी की यह नई लहर दुखद तो है, मगर यह 2008 की आर्थिक मंदी जितनी दर्दनाक नहीं है, जब नब्बे लाख नौकरियां चली गई थीं। यह लहर इस सदी के शुरुआती दशक में 'डॉटकॉम क्रैश' के ज्यादा करीब है। तब इंटरनेट स्टार्टअप के बुलबुले फूट गए थे और 4,00,000 इंजीनियरों व तकनीकी सहायकों की नौकरी चली गई थी। इस समय जो खास बात है, वह यह है कि कुशल पेशेवर भी महीनों की बेरोजगारी झेल रहे हैं। सबसे नाजुक स्थिति एच-1बी वीजाधारकों की है, जिनके पास नौकरी जाने पर नई नौकरी ढूंढ़ने के लिए सिर्फ 60 दिन होते हैं। इसके बाद उन्हें देश से निकाले जाने का खतरा रहता है।

कुल मिलाकर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती ताकत और ट्रंप प्रशासन की नीतिगत अनिश्चितता ने काम की प्रकृति को बदल दिया है। इतिहास साक्षी है कि हर तकनीकी क्रांति अपने साथ विजेताओं व पराजितों के बड़े समूह लेकर आती है। अमेरिका के आगे आज प्रश्न यह नहीं है कि वह कैसे इसके अनुरूप खुद को ढाल पाता है, बल्कि यह है कि इस बदलाव का प्रबंधन वह कितनी इंसानियत और समझदारी के साथ कर पाता है।(लेखक अमेरिकी उद्यमी व समाजसेवी है)।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत की नीली सीमाओं की अजेय प्रहरी भारतीय नौसेना

(योगेश कुमार गोयल)

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है।

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धु-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड

का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना 4 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के शंगुमुघम बीच पर नौसेना दिवस को भव्य और अद्वितीय ऑपरेशनल प्रदर्शन के रूप में मना रही है। यह आयोजन न केवल 1971 के ऐतिहासिक युद्ध विजय को स्मरण करेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की उभरती सामरिक शक्ति और बढ़ते समुद्री प्रभाव का भी प्रतीक बनेगा। इस अवसर पर सतह पोतों, पनडुब्बियों और हवाई युद्धक क्षमताओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा, जो नौसेना की बहु-क्षेत्रीय तत्परता और सटीक सैन्य संचालन की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। पूरे प्रदर्शन का केंद्रबिंदु आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना होगी। स्वदेशी जहाजों, हथियार प्रणालियों और तकनीकी प्लेटफॉर्म की प्रस्तुति यह स्पष्ट संदेश देगी कि भारतीय नौसेना 'मेक इन इंडिया' की आत्मा को वास्तविक शक्ति में बदल रही है। यह आयोजन न केवल तकनीकी उत्कृष्टता, संसाधन क्षमता और ऊर्जावान रणनीतिक सोच का परिचायक बनेगा बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत को 'पसंदीदा सुरक्षा साझेदार' के रूप में स्थापित करने की नौसेना की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करेगा। यह भव्य प्रदर्शन उन वीर पुरुषों और महिलाओं को नमन है, जो अनुशासन, साहस और राष्ट्रनिष्ठा के साथ समुद्री सीमाओं की रक्षा करते हैं। यह भारतीय नौसेना को एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और युद्ध के लिए सदा तत्पर बल के रूप में स्थापित करने का सशक्त घोष है।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है। (लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के विश्लेषक हैं)

जनजाति समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और उनके समृद्ध इतिहास पर विस्तार से चर्चा की गई

शासकीय महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय में 'जनजातीय गौरव' पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

भानुप्रतापपुर। शासकीय महर्षि वाल्मीकि महाविद्यालय, भानुप्रतापपुर में ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनजाति समाज के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और उनके समृद्ध इतिहास पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष किरण नरेटी थीं, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष रत्नेश सिंह मंच पर मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य रशिम सिंह ने की। अन्य गणमान्य अतिथियों में जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, भाजपा नेता राजीव श्रीवास, नरोत्तम सिंह चौहान, गिरधारी नरेटी और छत्रप्रताप दुग्गा भी उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता विकास मरकाम ने 'जनजातीय गौरव दिवस' के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को जनजाति समाज के क्रांतिकारियों के देश की आजादी में दिए गए अमूल्य योगदान से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि धरती, ज़मीन, और पेड़-पौधों का सम्मान करना जनजातीय परंपरा का मूल है। अंग्रेजों के खिलाफ सबसे पहले झंडा उठाने वाले तिलका मांझी थे, और जनजाति समाज ने अंग्रेजों को भगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कांकेर जिले के शहीद गेंद सिंह और अन्य जन जाति महानायकों के बारे में बताया। शहीद गुडर धुर के नारे अगर अंग्रेज पेड़ कटाई करते हैं, तो अंग्रेजों के सर काटें का उल्लेख करते हुए संघर्ष की गाथा सुनाई। ऐतिहासिक जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जब देश आजाद नहीं हुआ था, तब सीपी बरार की राजधानी नागपुर हुआ करती थी और रतनपुर के राजा रायसिंह जगत ने रायपुर को बसाया है।

अतिथियों के विचार - मुख्य अतिथि एवं जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनजाति समाज द्वारा देश के लिए किया गया योगदान अस्मरणीय है। उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा जनजाति समाज के लिए चलाई जा रही विशेष योजनाओं का उल्लेख किया, जो गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित कर रही हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को बस्तर पांडुम की शुरुआत करने का श्रेय भी दिया, जिसके तहत बस्तर के व्यंजन और खेल-कूद का आयोजन किया गया था।।उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ समाज के लिए भी काम करें, क्योंकि उनका समाज अभी भी पिछड़ा हुआ है और हम सबको मिलकर समाज के उत्थान के लिए प्रयास करना है।

पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम - कार्यशाला के दौरान महाविद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसे सभी ने सराहा। अतिथियों ने रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता और निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

महापरीक्षा अभियान अंतर्गत कांकेर जिला में 9765 नवसाक्षरों ने दी परीक्षा

कांकेर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत महापरीक्षा अभियान जिला में आयोजित किया गया, जिसके लिए 426 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे जहां महिला नवसाक्षर 6216 और पुरुष नवसाक्षर 3549 कुल 9765 नवसाक्षर ने परीक्षा दी। इसके अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए 2027 तक शत-प्रतिशत साक्षर किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए जिले के सातों विकासखंडों की प्राथमिक शाला और माध्यमिक शाला को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इस बर परीक्षा में अलग नजारा देखने को मिला जहां एक ही परिवार के कई सदस्यों ने एक साथ परीक्षा दी। उम्रदराज महिला एवं पुरुष शिक्षार्थियों ने भी साक्षर होने के लिए बढ़-चढ़कर परीक्षा दी। इसी क्रम में विधानसभा कांकेर के विधायक आशाराम नेताम द्वारा अन्नपूर्णापारा के प्राथमिक शाला परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। साथ ही प्राथमिक शाला बागोडार के परीक्षा केंद्र का जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद ने भी परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। बताया गया कि जिले के 4 विकासखंडों में क्रमशः परीक्षा केंद्र शासकीय माध्यमिक शाला बेवरती, माध्यमिक शाला पटौद, प्राथमिक शाला करप, प्राथमिक शाला सरईटोला, माध्यमिक शाला करप, माध्यमिक शाला सरंगपाल, माध्यमिक शाला माटवाड़ा मोदी, प्राथमिक शाला तेलगरा, प्राथमिक शाला हिंगनझर का निरीक्षण परीक्षा के दौरान विभाग के अधिकारियों के द्वारा किया गया। इसके अलावा विकासखंड भानुप्रतापपुर में नक्सली पुनर्वास केंद्र मुल्ला में भी विशेष तौर पर 34 असाक्षरों के द्वारा साक्षर बनने के लिए परीक्षा दी गई। निरीक्षण के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षार्थी परीक्षा दिलाते हुए पाए गए। इसी प्रकार जिले में लक्ष्य के अनुसार 9765 नवसाक्षरों ने परीक्षा में सम्मिलित हुए, जहां नवसाक्षरों की उपस्थिति 90 प्रतिशत रही।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्या निराकरण करने दिलाया भरोसा

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवो से पहुंचे लोगों से मुलाकात किया। उन्होंने मुलाकात कर उनकी मांगो एवं समस्याओं और शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण कराने भरोसा दिलाया एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आज जनदर्शन में फुलेश्वरी बघेल ग्राम गौरवण्ड द्वारा रोजगार हेतु, समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत हिकुल द्वारा प्राथमिक शाला केन्द्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्र खुलवाने तथा सोलर डयूल पम्प स्वीकृति करने, पुष्पादानी एड़का रोड बखरूपारा द्वारा पेंशन जी.पी.एफ ग्रेजुएटी एवं एरियस का समाधान करने, दुष्यंत कुमार बंजारे शासकीय स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय द्वारा शासकीय आवास में मरम्मत कार्य करवाने, हेमन्त साहू निवासी ग्राम तेलसी द्वारा मेरे शासकीय भूमि पर लगभग 40 वर्षो से मकान बनाकर काबिज भूमि है उस भूमि का फर्जी पट्टा बना लिया गया है जिसकी जांच कर फर्जी तरीके से बने पटटे को निरस्त करने, समस्त ग्रामवासी ग्राम कोटेनार द्वारा सड़क निर्माण कार्य कराने, सरपंच ग्राम पंचायत नेडनार द्वारा सड़क निर्माण कार्य कराने, सोमनाथ धनेलिया ग्राम बोरण्ड द्वारा ग्राम बोरण्ड में हेण्डपंप खनन करने, सरपंच ग्राम पंचायत हान्दावाडा द्वारा सड़क निर्माण करवाने, आंगनबाड़ी केन्द्र खोलवाने, समस्त ग्रामवासी ग्राम गोहड़ा द्वारा स्वास्थ केन्द्र और स्कुल खेल मैदान मिडिल स्कुल भवन एवं पशु चिकित्सा भूमि आरक्षित के संबंध, सरपंच ग्राम पंचायत बाकुलवाही द्वारा सी.सी सड़क निर्माण कार्य स्वीकृति प्रदाय करने, समस्त ग्रामवासी ग्राम कुंदाडी द्वारा आंगनबाड़ी के संबंध में, मंगलराम गावड़े ग्राम ओरछा द्वारा माह जून 2025 जुलाई अगस्त सितम्बर 2025 का अप्राप्त मासिक वेतन आहरण करने, सरपंच ग्राम पंचायत रायनार द्वारा धान पंजीयन नही होने, सरपंच ग्राम पंचायत ताडोपाल द्वारा ग्राम खड़कागांव गोमटेपारा हेतु द्वितीय श्रेणी सड़क स्वीकृति करने, जुगुल कोर्राम ग्राम आतरगांव द्वारा लंबित राशि का भुगतान कराने, राजेश कुमार पटेल ग्राम महिमा गवाड़ी द्वारा लंबित राशि का भुगतान कराने एवं प्रवीण जैन पार्षद माड़ीन देवी वार्ड द्वारा जिले में रेत खदाने आबंटित न होने के कारण शासकीय विद्यालय कार्यो में अवरोध 181-25 प्रति घन मीटर की दर विसंगति और अनुचित पेनाल्टी पर रोक लगाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जनदर्शन में 20 प्राप्त आवेदनों पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने गंभीरतापूर्वक सभी आवेदनों पर शीघ्र कार्यवाही करने के लिए ग्रामीणों को भरोसा दिलाया।

कलेक्टर ने किया ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी वेयर हाउस का आंतरिक निरीक्षण

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी वेयर हाउस का आंतरिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी से राजेन्द्र सिंह गौर और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से पुरुषोत्तम पाटिल तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी जितेन्द्र कुर्रे एवं जिला कोषालय अधिकारी अनिभा रेणु सोनबेर भी मौजूद थे।

भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र : एक डॉक्टर के भरोसे 'रेफर सेंटर' बना अस्पताल, मरीज परेशान

भानुप्रतापपुर। अंचल के सबसे बड़े स्वास्थ्य केंद्रों में से एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की भारी अव्यवस्था के कारण मरीजों की परेशानी चरम पर है। स्थिति यह है कि पूरा अस्पताल केवल एक डॉक्टर के भरोसे छोड़ दिया गया, जबकि बाकी डॉक्टर 'ट्रेनिंग और मीटिंग' का बहाना बनाकर नदारद रहे। इस गंभीर लापरवाही के चलते सुबह से ही अस्पताल पहुंचे ग्रामीण मरीज और उनके परिजन घंटों तक परेशान होते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों से इलाज के लिए अस्पताल पहुँच रहे मरीजों को न केवल डॉक्टरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि उन्हें अस्पताल स्टाफ के निराशाजनक व्यवहार से भी गुजरना पड़ रहा है। शिवसेना नेता चंद्रमौली मिश्रा ने अस्पताल की अव्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा, ग्रामीण अंचल से मरीज इलाज के लिए यहाँ पहुँचते हैं, लेकिन डॉक्टर अक्सर अस्पताल से नदारत रहते हैं। यह अस्पताल अब सिर्फ 'रेफर सेंटर' बनकर रह गया है, जहाँ से मरीजों को इलाज के लिए सीधे बड़े शहरों में रेफर कर दिया जाता है।

दो साल से सोनोग्राफी बंद: गरीबों पर आर्थिक बोझ

अस्पताल में सबसे बड़ी समस्या सोनोग्राफी सुविधा का दो साल से बंद होना है। यह सुविधा बंद होने के कारण गर्भवती महिलाओं और अन्य जरूरतमंद मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों में मोटी रकम देकर सोनोग्राफी करानी पड़ रही है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

जीवन दीप समिति' की राशि पर सवाल, जानकारी देने में टालमटोल

अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर 'जीवन दीप समिति' की राशि के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया है। शिवसेना नेता मिश्रा ने आरोप लगाया कि समिति की राशि का बंदरबांट किया जा रहा है, जबकि इस राशि का उपयोग अस्पताल की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने और सुविधाओं में सुधार के लिए किया जाना चाहिए। जब 'जीवन दीप समिति' के फंड के संबंध में जानकारी मांगी जाती है, तो प्रबंधन द्वारा गोलमोल जवाब देकर टालमटोल किया जाता है।

डॉक्टरों की भारी कमी और ड्यूटी से नदारद रहना

दो साल से सोनोग्राफी सुविधा का बंद होना। अस्पताल स्टाफ का मरीजों के साथ अभद्र व्यवहार। जीवन दीप समिति' की राशि के दुरुपयोग का आरोप। अस्पताल परिसर और पीने के पानी के आस-पास घोर गंदगी। जनप्रतिनिधियों और आम जनता ने जिला प्रशासन से तत्काल इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की अव्यवस्था पर संज्ञान लेते हुए दोषी कर्मचारियों और अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र की जनता को समुचित स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

गंदगी का आलम : पीने के पानी तक पर ग्रहण

अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति भी अत्यंत दयनीय है। मरीजों के लिए लगाए गए वाटर कूलर के पास भी चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जो स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों की खुली अनदेखी है। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई थी कि नए बीएमओ के आने से अस्पताल की स्थिति सुधरेगी, लेकिन जमीनी हकीकत जस की तस बनी हुई है।

नियद नेल्लानार क्षेत्र के ग्रामों में 11 से 24 दिसंबर तक समाधान शिविर आयोजित

नारायणपुर। जनपद पंचायत ओरछा के नियद नेल्लानार क्षेत्र के चयनित ग्रामों में शासन की विभिन्न योजनाओं से वंचित ग्रामीणों को लाभान्वित करने तथा उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 11 से 24 दिसंबर 2025 तक निर्धारित तिथियों पर आयोजित होंगे। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ओरछा द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन शिविरों में स्वास्थ्य, पशुपालन, मत्स्य, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, कृषि, श्रम, खाद्य, विपणन सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। शिविरों में योग्य ग्रामीणों को नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, पीएम-किसान सम्मान निधि, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ तथा अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण स्थल पर ही किया जाएगा।

कड़मपाल में नवभारत साक्षरता अभियान के तहत महापरीक्षा का किया आयोजन

किरंदुल। नवभारत साक्षरता अभियान के अन्तर्गत संकुल केन्द्र कड़मपाल विकासखंड कुआकोंडा के छः केन्द्रों में राष्ट्रीय महापरीक्षा का आयोजन किया गया। यह परीक्षा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित हैं। इसी तारतम्य में असाक्षरों को पुष्पगुच्छ भेंट कर परीक्षा में शामिल किया गया। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य सभी को साक्षर करना हैं।कलेक्टर कुणाल दुदावत के आदेशानुसार एवं ब्लाक कार्यालय कुआकोंडा के शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया के मार्गदर्शन में कुआकोंडा के सभी संकुलों में महापरीक्षा का नियमित रुप से आयोजन किया गया।इस परीक्षा में मुख्य रूप से नक्सल प्रभावित एवं सरकार की मुख्य धारा में आये

अभ्यार्थियों का भी शामिल होना सराहनीय रहा। जिन्होंने पूर्व में स्कूल छोड़ चुके थे। इस कार्यक्रम में रविन्द्र प्रताप सिंह गौतम, संकुल समन्वयक एम माधव राव, शांति स्वामी, शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बच्चों की जरूरत को देखते हुए पार्षद ने बढ़ाया हाथ, बांटे स्टडी टेबल

किरंदुल। वार्ड क्रमांक 09 की पार्षद लीना सोनी ने अम्बेडकर कॉलोनी स्थित भारत माता स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को 14 स्टडी टेबल दिए। यह कार्यक्रम सोमवार स्कूल परिसर में हुआ।स्कूल में बच्चों को ठीक से पढ़ने और लिखने की सुविधा बढ़ानी थी। इस समस्या को देखते हुए पार्षद ने अपनी निधि से स्टडी टेबल खरीदकर स्कूल को दिए, जिससे बच्चों को आराम से और ध्यान लगाकर पढ़ाई करने में मदद मिलेगी। प्राचार्या अंजलि नाग ने कहा कि इस सहयोग से बच्चों की पढ़ाई का माहौल और बेहतर होगा। पार्षद लीना सोनी ने कहा बच्चों की पढ़ाई बिना रुकावट चले, इसी सोच के साथ यह प्रयास किया गया है। आगे भी बच्चों के लिए जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी।इस

दौरान नगरपालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह, प्राचार्या अंजली नाग, स्कूल संचालन समिति के अध्यक्ष एस.आर. नाग, किरंदुल चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष संजय सोनी और नपा के पार्षदगण व

स्कूल कैईन्ता अभियान : अप्रवेशी एवं शाला-त्यागी बच्चों के लिए ब्रिज कोर्स प्रशिक्षण सम्पन्न

नारायणपुर। स्कूल कैईन्ता अभियान संचालन किया जा रहा है। उक्त अभियान अन्तर्गत ग्राम पंचायत अन्तर्गत आश्रित गावों का शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यरर्तायें एवं बिहान के सदस्यों द्वारा डोर-डोर 22364 घरों का सर्वे किया गया है। सर्वे पश्चात उक्त गावों में शाला त्यागी 1135 एवं अप्रवेशी 1280 बच्चों का चिंन्हान किया गया है। चिन्हान पश्चात कुछ बच्चों को पालके के सहमति उपरांत गांव के आस-पास स्कूलों, छात्रावास, आश्रम में अप्रवेशी 705 एवं शाला त्यागी 88 कुल 793 बच्चों को प्रवेश कराया है। कुछ पालकों द्वारा गांव से स्कूल की दूरी अधिक एवं अन्य समस्या होने के कारण गांव में ही कलेक्टर महोदया के निर्देशानुसार 10 गावों में अतिरिक्त शाला संचालन वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जिला खनिज न्यास निधि मद से अतिथि शिक्षक एवं रसोईया मानदेय राशि स्वीकृत कर संचालन किया जा रहा है। स्कूल कैईन्ता अभियान अन्तर्गत ब्रिज कोर्स संचालन किया जा रहा है जिसके तहत बिहान के सदस्यों द्वारा अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बच्चों को गांव में ही पढ़ाया जायेगा। गांव में 15 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों को उल्लास साक्षरता मिशन के तहत असाक्षरों को साक्षर बिहान (शिक्षा सखी) अन्तर्गत गठित स्वसहायता समूह के सदस्यों को किया जावेगा। 15 से 18 वर्ष के शाला त्यागी बच्चों को ओपन स्कूल परीक्षा हेतु आवेदन फार्म भरवाया जा रहा है।कलेक्टर ममगाई के निर्देशानुसार अप्रवेशी एवं शाला त्यागी बच्चों को आधारभूत साक्षरता एवं संख्याज्ञान और बुनियादी गणितीय कौशल के विकास हेतु ब्रिज कोर्स 02 दिवसीय प्रशिक्षण जिला पंचायत नारायणपुर के सभा कक्ष में आयोजित किया गया है।

जिले में 05 दिसम्बर तक हुई 14 हजार 162 क्विंटल धान की खरीदी

नारायणपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर प्रदेश सहित जिले में गत 05 दिसम्बर तक जिले के पंजीकृत किसानों से विभिन्न धान उपार्जन केन्द्रों के जरिये अनवरत रूप से धान खरीदी की जा रही है। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के मार्गदर्शन में इन केन्द्रों में किसानों के धान का उपार्जन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के धान खरीदी केन्द्रों में 05 दिसम्बर तक 14 हजार 162 क्विंटल धान की खरीदी की गयी है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र एड़का में 2443.6 क्विंटल, गढ़बेंगाल में 3099.2 क्विंटल, ओरछा में 1804.9 क्विंटल, कोहकामेटा में 0.00 क्विंटल, बासिंग में 0.00, छोटेडोंगर में 1137.6 क्विंटल, झारा में 26.8 क्विंटल, कन्हारगांव में 00.8 क्विंटल, सोनपुर में 28.4 क्विंटल, चांदागांव में 32.0, दण्डवन में 0.00 क्विंटल, नारायणपुर में 2894.0 क्विंटल, धौड़ाई में 627.6 क्विंटल, बेनूर में 514.4 क्विंटल और बाकुलवाही में 2051.6 क्विंटल, बिंजली में 4.00 क्विंटल, कुकड़ाझोर में 350.4 क्विंटल धान की खरीदी हुई है।

कुआकोंडा में उल्लास महा परीक्षा का हुआ सफल आयोजन

किरंदुल। उल्लास नव साक्षरता महापरीक्षा अभियान विकासखंड कुआकोंडा मे जिला मिशन समन्वयक हरीश प्रताप सिंह गौतम, विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रमोद भदौरिया एवं सहायक खंडशिक्षा अधिकारी मनोज राठौर के के द्वारा नवसाक्षरो को पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर कर परीक्षा केंद्र मे स्वागत किया एवं डीएमसी सर एवं बीईओ सर के द्वारा सभी को उल्लास साक्षरता का पेपर वितरण कर सभी को परीक्षा देने के लिए प्रेरित किया गया उल्लास साक्षरता विकासखंड कुआकोंडा मे कुल 12060 परीक्षार्थी राष्ट्रव्यापी नवसाक्षर महापरीक्षा में शामिल हुए इस महापरीक्षा को सफल बनाने के लिए समस्त केंद्राध्यक्ष पर्यवेक्षक एवं वीटी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलेक्टर ने सुशीला मंडावी को प्रदान की सिलाई मशीन

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा आज अलबेलापारा निवासी सुशीला मंडावी को सिलाई मशीन प्रदान की गई। समाज कल्याण की उप संचालक क्षमा शर्मा ने बताया कि हितग्राही द्वारा जनदर्शन में मांग की गई थी, जिस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए कलेक्टर द्वारा संबंधित महिला को सिलाई मशीन प्रदाय की गई। इस पर हितग्राही मंडावी ने खुशी जाहिर करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन 12 दिसम्बर से

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिले के आम ग्रामीणजनों की आवश्यकताओं, शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान के लिए जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आगामी 12 दिसम्बर से 25 मार्च 2026 तक किया जाएगा। उक्त शिविरों में सभी जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय एवं क्लस्टर स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने शिविरों के सुचारू रूप से आयोजन के लिए अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्टेला खलखो को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। प्राप्त जानकारी अनुसार कोयलीबेड़ा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत चारगांव में 12 शुक्रवार दिसम्बर को शिविर लगाया जाएगा। जिसमें ग्राम पंचायत चारगांव, छोटेबोदेली, पोरोण्डी, सिकसोड़, सुलंगी, तुरसानी और बदरंगी के ग्रामीण शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

30 क्विंटल अवैध धान जब्त

बिलासपुर। अवैध रूप से संग्रहित 75 कट्टी (30 क्विंटल) धान आज फिर से जब्त किया गया। संयुक्त जांच दल द्वारा ग्राम पचपेड़ी के गोलू गुप्ता के गोदाम से 75 कट्टी 30 क्विंटल धान जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। बिना कागजात के वे इसका व्यवसाय कर रहे थे। आशंका बनी हुई थी कि सांठगांठ करके आसपास की किसी सोसाइटी में इसे खपाते। इसके पहले कलेक्टर के निर्देश पर पकड़ लिए गए। जिला खाद्य अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राजस्व विभाग के नेतृत्व में खाद्य और मंडी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई की गई। इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में नवीन पिछड़ा वर्ग बालक क्रीड़ा परिसर के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर नगद राशि देकर प्रोत्साहित किया। कबड्डी विधा से 12 छात्र राष्ट्रीय स्तर पर एवं एथलेटिक्स से 5 छात्र, तैराकी एवं फुटबाल में 1-1 छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है। ये सभी 19 खिलाड़ी छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। कलेक्टर ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, कबड्डी कोच उत्तरा कुमार चेलकर, एथलेटिक्स कोच पीजी जय कृष्णन, फुटबॉल कोच मोहन थापा, तैराकी कोच आर डी बोले, सहायक कोच शशी लहरे, छात्रावास अधीक्षक तरूण केशरवानी उपस्थित रहे।

एसआईआर ने चौंकया 1.83 लाख मतदाताओं ने छोड़ा शहर

बिलासपुर। जिले में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (स्क्रुक्र) के दौरान चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। जिले के कुल 16.75 लाख मतदाताओं में से 4.33 लाख से अधिक मतदाताओं के फॉर्म बीएलओ वापस नहीं ले सके। जांच में खुलासा हुआ कि इनमें से बड़ी संख्या या तो शहर छोड़ चुकी है, मृत हो चुकी है या अपने पते पर नहीं मिल रही है। 1.83 लाख मतदाता जिले से शिफ्ट, 1.30 लाख नदारद, 71 हजार से ज्यादा की मौत जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक:1,83,645 मतदाता अपने पंजीकृत पते से शिफ्ट हो चुके हैं।1,30,117 मतदाता बीएलओ को अपने पते पर नहीं मिले। 71,663 मतदाताओं की मृत्यु की पुष्टि हुई है।इस तरह 4 लाख 33 हजार 883 फॉर्म ऐसे हैं जिन्हें बीएलओ डिजिटाइज नहीं कर सके। इससे एसआईआर की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। जिले में 6 विधानसभा- कहां कितने शिफ्ट और मृत मतदाता जिले की 6 विधानसभा क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़े चौंकाने वाले हैं। विधानसभा शिफ्ट हुए मतदाता मृत मतदाता कोटा 19,854 18,200 तखतपुर 33,734 12,090 बिल्हा 57,484 11,106 बिलासपुर 22,154 14,226 बेलतरा 8,189 11,478 मस्तूरी 32,219 14,595 (सबसे अधिक) कुल शिफ्ट मतदाता: 1,83,645 कुल मृत मतदाता: 71,663 मस्तूरी विधानसभा मृत मतदाताओं के मामले में पूरे जिले में सबसे आगे है। 75.38त्न फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा 5 दिसंबर तक जिले के 1728 मतदान केंद्रों से 12,71,598 मतदाताओं के फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा किया जा चुका है, जो कुल मतदाताओं का 75.38त्न है शेष 25त्न फॉर्म में बड़ी संख्या उन मतदाताओं की है जो शिफ्ट, मृत या पते पर उपलब्ध नहीं हैं। 11 दिसंबर तक फॉर्म भरने का मौका एसआईआर के अंतर्गत फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर रखी गई है।इसके बाद दूसरे चरण में 16 दिसंबर से अभिहित अधिकारी मतदाताओं से सीधे मुलाकात करेंगे। बीएलओ इन दिनों मतदान केंद्रों में बैठकर उन मतदाताओं का इंतजार कर रहे हैं जो घर पर नहीं मिले थे। मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर सुधार की जरूरत जिले में शिफ्ट हुए, मृत और अनुपलब्ध मतदाताओं की इतनी बड़ी संख्या ने निर्वाचन कार्यालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अधिकारियों का कहना है कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए व्यापक अभियान चल रहा है और नागरिकों से अपेक्षा है कि वे समय पर फॉर्म भरकर सहयोग करें।

जोनल स्टेशन की सेकंड एंट्री में भारी अव्यवस्था

बिलासपुर। रेलवे स्टेशन की सेकेंड एंट्री इन दिनों स्टेशन कम और अघोषित ऑटो स्टैंड ज्यादा नजर आ रही है। यहां न नियमों का पालन हो रहा है, न ही रेलवे प्रशासन की मौजूदगी दिखती है। यही वजह है कि पूरे इलाके में ट्रैफिक जाम, अवैध कब्जे और बदमाशी जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। गजरा चौक और रनिंग रूम के पास रोज़ाना ऑटो और ई-रिक्शा चालकों का कब्जा इतना ज्यादा रहता है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क किनारे ठेले और खोमचे लग जाने से स्टेशन की पूरी सड़क बाजार में बदल चुकी है। प्रशासन की चुप्पी ने कब्जाधारियों के हौसले इतने बढ़ा दिए हैं कि वे अब यात्रियों से बदसलूकी और धमकी तक देने लगे हैं। ताजा मामला सिरगिट्टी ब्लैक डायमंड इलाके से आए यात्रियों का है। एक ई-रिक्शा चालक चार लोगों को स्टेशन छोड़ने के नाम पर लेकर आया, लेकिन स्टेशन के बजाय उन्हें गजरा चौक पर उतार दिया।

शासकीय कार्यालयों में 1 जनवरी से बायोमेट्रिक अटेन्डेन्स

कलेक्टर ने टीएल बैठक में की योजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न

बिलासपुर। जिला कलेक्टोरेट कार्यालय सहित सभी विभागीय कार्यालयों में आगामी 1 जनवरी से बायोमेट्रिक अटेन्टेन्स सिस्टम लागू होगा। ये सिस्टम सेलरी से जुड़ा रहेगा। कार्यालय पहुंचने में विलम्ब अथवा अनुपस्थित रहने पर आनुपातिक रूप से तनख्वाह की अपने आप कटौती हो जायेगी। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक टीएल बैठक में आज इसकी जानकारी देते हुए अधिकारियों को इसकी तैयारी के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मंत्रालय में यह व्यवस्था सफलता पूर्वक लांच करने के बाद जिलों में भी 1 जनवरी से इसे प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि मोबाईल फोन पर आधारित एप्प के जरिए बायोमेट्रिक उपस्थिति ली जायेगी। कार्यालय अथवा इसके 100 मीटर की परिधि में यह एप्प क्रियाशील रहेगा। अपने घर अथवा अन्यत्र कहीं से भी अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अटैन्डेंस नहीं किया जा सकेगा। आमतौर पर शासकीय कर्मियों के निर्धारित समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने की शिकायत होती रहती है। इस नयी व्यवस्था से लोगों के समय पर पहुंचने और पारदर्शिता पूर्ण तरीके से कामकाज का निबटारा होगा। शाम को वापसी के दौरान भी उपस्थिति दर्ज कराना होगा। कलेक्टर ने बैठक में धान खरीदी की प्रगति की भी समीक्षा की। जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों को अपने प्रभार के खरीदी केन्द्रों का लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारीकी से खरीदे गये स्टेकिंग का सत्यापन किया जाये। छापामार शैली में अचानक पहुंचकर देखा जाए। बारदाना की उपलब्धता भी देखें। खरीदे गये धान और केन्द्र में इसके उपलब्धता एवं मिलान होना चाहिए। संपूर्ण प्रक्रिया में किसानों को किसी भी स्तर पर दिक्कत नहीं आने देना चाहिए। कलेक्टर ने अवैध उत्खनन के विरूद्ध कार्रवाई और तेजी से करने को कहा है। वनक्षेत्र में यदि अवैध खनन की रिपोटिंग होती है तो वन विभाग कठोर कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए राज्य सरकार ने समय-सीमा निर्धारित की है। इस सीमा में कार्रवाई पूर्ण करें अन्यथा जिला स्तरीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। कलेक्टर ने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कोयला एवं राखड़ का परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने कहा है। कोई भी वाहन यदि बिना तिरपाल ढके राखड़ एवं कोयले का परिवहन करे तो आरटीओ एवं पर्यावरण विभाग संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। कलेक्टर ने बंद हो चुकी शासकीय योजनाओं के बैंक खातों को बंद कर एक सप्ताह में इसमें जमा राशि को शासन के खजाने में जमा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने गोधाम योजना की समीक्षा करते हुए और ज्यादा संख्या में गोधाम खोलने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने को कहा है। कलेक्टर ने एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को पढ़ाई जारी रखने के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्ति वितरण की भी समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर बिजली योजना, सांसद खेल महोत्सव और यूथ फेस्टिवल की तैयारी की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अगव्राल सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

'वाटरशेड महोत्सव' में श्रमदान से बना सैंडफिल डैम-परमेश्वर

- भालू पथरा नाले में हुआ निर्माण, किसानों को मिलेगा भरपूर सिंचाई जल
- जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक और किसानों ने किया श्रमदान

बिलासपुर। माइक्रो वाटरशेड अंतर्गत ग्राम नगपुरा के भालू पथरा नाले में 'वाटरशेड महोत्सव' के अवसर पर श्रमदान के माध्यम से सैंडफिल डैम का निर्माण किया गया। इस डैम के निर्माण से क्षेत्र के किसानों को अधिक मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही भू-जल स्तर में वृद्धि होगी, जिससे खेती-किसानी को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की उत्पादन क्षमता में सुधार होगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत के प्रबंधक श्री अवनीश सिंह, सदस्य श्री परमेश्वर खुसरो, सरपंच ग्राम पंचायत नगपुरा श्रीमती अनूपा पैकरा, सरपंच ग्राम पंचायत तुलुफ श्री मोहन सिंह श्याम, भूतपूर्व जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती सुरति परमेश्वर खुसरो की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र से विषय वस्तु विशेषज्ञ श्रीमती डॉ. शिल्पा कौशिक एवं श्रीमती डॉ. एकता ताम्रकार, विशेषज्ञ श्री पंकज मिंज, आईएफएफसीओ के प्रबंधक श्री नवीन तिवारी, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना परियोजना अधिकारी डब्ल्यूडी सीदृपीएम केएसवाय 2.0/1 कोटा श्री सोहन सिदार, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री अमित नागराज एवं श्री श्यामलाल पैंकरा सहित डब्ल्यूसीडीसी, समस्त डब्ल्यूडीटी, वाटरशेड समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं बड़ी संख्या में किसानों ने श्रमदान कर सहभागिता निभाई। ग्रामीणों ने बताया कि इस सैंडफिल डैम से वर्षा जल का संचयन संभव होगा, जिससे गर्मी के मौसम में भी खेतों को पानी मिलता रहेगा और खेती की लागत कम होगी।

राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने मस्तूरी जनपद में स्वच्छता कार्यों का किया निरीक्षण

- कचरा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने दिए निर्देश, श्रमदान की सराहना

बिलासपुर। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार श्रीमती मोनिका सिंह ने जनपद पंचायत मस्तूरी अंतर्गत ग्राम पंचायत बरेली, झलमला, नवागांव (म.), मचखंडा तथा सीपत में संचालित सामुदायिक शौचालय एवं ठोस तथा तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गांवों में चल रही स्वच्छता गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान राज्य सलाहकार ने विशेष रूप से स्वच्छाग्राहियों द्वारा किए जा रहे श्रमदान की सराहना की तथा घर-घर कचरा संग्रहण कार्य में लगे स्वच्छाग्राही समूह के सदस्यों से चर्चा कर स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। गांवों में कचरा फेंकने की समस्या पर उन्होंने सरपंच एवं ग्रामवासियों को निर्देशित किया कि पहले ऐसे लोगों को नम्रता से समझाइश दी जाए, इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं करने वालों पर जुर्माने की कार्रवाई की जाए। साथ ही, कचरा फेंकने वालों की जानकारी देने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहन राशि दिए जाने का भी सुझाव दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत टीम, जनपद पंचायत मस्तूरी की टीम, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं स्वच्छाग्राही उपस्थित रहे।

न्यायधानी में शिक्षा का महोत्सव उल्लास नवभारत महापरीक्षा में असाक्षरों की ऐतिहासिक भागीदारी

बिलासपुर। जिले में आयोजित उल्लास नवभारत महापरीक्षा में जिले के असाक्षर लोगों ने अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। इस आकलन परीक्षा में 90 प्रतिशत असाक्षर शिक्षार्थियों ने भाग लिया। कई परीक्षा केंद्रों पर सास-बहू की जोड़ी, बुजुर्ग दंपत्ति और मेहनतकश ग्रामीण एक साथ परीक्षा देते हुए दिखाई दिए। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले भर के असाक्षरों को नेवता पाती भेजकर इस महापरीक्षा में शामिल होने का आमंत्रण दिया था। इसके बाद स्वयंसेवकों ने सभी शिक्षार्थियों को 200 घंटे का मुफ्त अध्ययन कराया, जिसमें प्रवेशिका के सातों भाग शामिल थे। पढ़ने-लिखने और संख्यात्मक ज्ञान का आकलन एफएलएनएटी परीक्षा के तहत किया गया। परीक्षा के दिन असाक्षर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपने दैनिक काम छोड़कर केंद्रों पर पहुंचे, जो उनकी शिक्षा के प्रति गहरी इच्छा को दर्शाता है। केंद्रीय जेल बिलासपुर में भी 100 असाक्षर बंदियों- महिला और पुरुष-ने पढ़ाई पूरी करने के बाद परीक्षा में हिस्सा लिया। इन्हें जेल के ही शिक्षित बंदियों ने प्रशिक्षण दिया। जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार टांडे ने टीम के साथ जेल केंद्र का निरीक्षण किया। छत्तीसगढ़ में विशेष प्रावधान के तहत, 10 असाक्षरों को पढ़ाने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड में 10 बोनस अंक मिलेंगे, जिससे मिशन को और गति मिलने की उम्मीद है। परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न करने शिक्षा विभाग ने अलग से निरीक्षण दल नियुक्त किया था। 14 साल पराने आंकड़ोंछत्तीसगढ़ में विशेष प्रावधान के तहत, 10 असाक्षरों को पढ़ाने वाले 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड में 10 बोनस अंक मिलेंगे।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने की प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा संपन्न.....

- गत रबी में किसानों को मिला 1.05 करोड बीमा भुगतान
- कलेक्टर ने रबी बीमा कराने किसानों से की अपील

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिला स्तरीय पर्यवेक्षण समिति की बैठक मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में चालू सीजन में रबी फसलों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इस माह की 31 तारीख तक बीमा आवेदन की अंतिम तारीख तय की गई है। बताया गया कि पिछले साल बीमित फसलों के एवज में 1 करोड़ 5 लाख रूपए की बीमा दावे का भुगतान लगभग 4 सौ किसानों को किया गया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मौसम की अनिश्चितता से फसल हानि से बचाने के लिए बीमा करा लेने की अपील किसानों से की है। उप संचालक कृषि ने बैठक में बताया कि बिलासपुर जिले में एचडीएफसी अर्गो जनरल इन्श्यूरेंस कम्पनी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले में चना, अलसी, राई सरसों, गेहूं सिंचित एवं गेहूं असिंचित को अधिसूचित किया गया है। रबी मौसम में इन फसलों की खेती करने वाले 88 गांव इस योजना के लिए चिन्हित किये गए हैं। उन्हें लगभग 3 सौ से 5 सौ रूपए की मात्र बीमा प्रीमियम पर 18 हजार से लेकर 32 हजार रूपए प्रति हेक्टेयर तक की बीमा लाभ मिल सकता है। सीएससी अथवा बैंक से बीमा कराया जा सकता है। बताया गया कि इस साल लगभग ढाई हजार किसानों के 700 हेक्टेयर क्षेत्रफल को बीमा कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार उद्यानिकी विभाग को साग-सब्जी के लिए 150 हेक्टेयर क्षेत्र बीमा करने का लक्ष्य दिया गया है। ऋणि किसानों का बीमा अपने आप हो जायेगा। अऋणि किसानों को नवीनतम आधार कार्ड, बी1 पी2, बैंक खाता फोटोकापी, फसल बोआई प्रमाण पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने का घोषणा पत्र, मोबाईल नम्बर, बटाईदार/काश्तकार/साझेदार किसानों के लिए घोषणा पत्र देना होगा। इस अवसर पर, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त, अमित कुमार, लीड बैंक मैनेजर दिनेश उरांव, उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर, उप संचालक उद्यान श्री दीवान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर संजय ने साप्ताहिक जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं-अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने साप्ताहिक जनदर्शन में आज दूर-दराज से पहुंचे ग्रामीणों की फरियाद सुनी। उन्होंने एक-एक कर प्रत्येक व्यक्ति से मुलाकात कर उनका आवेदन लिया और आवश्यक कार्रवाई के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। लोगों ने जनदर्शन में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक हित से जुड़े विषयों को लेकर जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए आवेदन दिया। नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार और सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल ने लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज तखतपुर ब्लॉक के ग्राम भरारी निवासी श्रीमती शशिकला साहू ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। श्रीमती साहू ने बताया कि उनके पति स्व. श्री धर्मेन्द्र कुमार साहू प्राथमिक शाला कोसकट्टी में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। पूर्व में भी उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया था परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार कार्यवाही नहीं की गई। कलेक्टर ने उनका ज्ञापन डीईओ को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। गतौरा के ग्रामीणों ने एनटीपीसी सीपत में पात्र भू विस्थापितों की चयन सूची जारी करने में विलंब की शिकायत की। उन्होंने बताया कि हम सभी आवेदकों की एक एकड़ से अधिक जमीन एनटीपीसी द्वारा अधिग्रहित की गई है।

एनटीपीसी द्वारा अगस्त महीने में 250 भू विस्थापितों को तीन माह के भीतर नौकरी देने का आश्वासन दिया गया था लेकिन आज तक चयन सूची जारी नहीं की गई है। कलेक्टर ने मामले को एसडीएम को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ओमनगर निवासी दिव्यांगजन श्री शैलेन्द्र कुमार मसीह ने विकलांगता के आधार पर शासन की योजना के अंतर्गत पेंशन राशि प्रदान करने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि उनका शरीर लकवाग्रस्त है जिसके कारण वे चलने फिरने में असमर्थ है। शारीरिक परिस्थतियों के कारण वे किसी भी प्रकार से आय करने में असमर्थ है। कलेक्टर ने मामले को सीएमएचओ को सौंपते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। उसलापुर निवासी शिव कुमारी बंजारे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण के लिए तीसरा किस्त ना मिल पाने की शिकायत की। कलेक्टर ने नगर निगम आयुक्त को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत दर्रीघाट की सरपंच श्रीमती ललिता ने ग्राम दर्रीघाट अरपा पुराने पुल का डामरीकरण करवाने की मांग की। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत दर्रीघाट में राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित पुराना पुल अत्यंत जर्जर हो गया है, जिसमें आवागमन में बहुत अधिक समस्या का सामना करना पड़ता है।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी का भूमि पूजन बालोद, दुधली में सम्पन्न

बिलासपुर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर दर्ज करते हुए प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी के भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन 8 दिसंबर 2025 को दुधली, जिला बालोद (छत्तीसगढ़) में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री गजेन्द्र यादव, शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन उपस्थित रहे। भूमि पूजन विधिवत मंत्रोच्चार एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्री अमर बी. छेत्री, कार्यकारी निदेशक, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली,श्री इन्द्रजीत सिंह खालसा, राज्य मुख्य आयुक्त तथा राज्य सचिव श्री जितेन्द्र कुमार साहू सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कर्मचारी तथा स्थानीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के युवा विकास, अनुशासन, सेवा व राष्ट्र निर्माण में भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बिलासपुर जिले से स्काउटर श्री देवव्रत मिश्रा, श्री संतोष कुमार त्रिपाठी, श्री भूपेन्द्र शर्मा तथा श्री महेन्द्र बाबू टंडन तथा गाइडर श्रीमती बीना यादव, डॉ. भारती दुबे, सुश्री लता यादव, श्रीमती कल्पना सिंह, श्रीमती लक्ष्मी बृजवासी एवं सुश्री निधि कश्यप की विशेष उपस्थिति रही। भूमि पूजन के साथ ही राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। आयोजन से देशभर के स्काउट-गाइड युवा एक मंच पर जुटेंगे।

साइटिका के दर्द से परेशान हैं तो जरूर करें गोमुखासन

साइटिका का दर्द पैरों में नसों में दबाव पड़ने के कारण होने वाला दर्द है, जो कमर से संबंधित नसों में सूजन का कारण भी बन सकता है। साइटिका का दर्द होने पर चलने फिरने या पैरों को मोड़ने में समस्या हो सकती है। वहीं कंधे के आस-पास के नसों में खिंचाव होने के कारण कंधे में भी दर्द होने लगता है। शरीर के इन दोनों ही हिस्सों पर दर्द होने के कारण आपको काम करने में समस्या होना आम बात है। इंस्टाग्राम पेज पर योग प्रशिक्षक ने एक वीडियो शेयर कर साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए गोमुखासन करने की सलाह दी है। गोमुखासन तीन शब्दों से मिलकर बना है, गो-मुख-आसन जहां गो का अर्थ गाय है, मुख का अर्थ चेहरे से है और आसन का अर्थ मुद्रा है। मुड़े हुए पैर गाय के मुंह की आकृति बनाते हैं जबकि कोहनियां गाय के कान की तरह दिखती हैं। इसलिए, इसे आमतौर पर गाय-मुख मुद्रा के रूप में जाना जाता है।

गोमुखासन करने का तरीका क्या है

- अपने पैरों को जमीन पर फैलाकर बैठ जाएं और दंडासन या स्टाफ पोज से शुरुआत करें।
- अब अपने पैरों को खोलें और फिर घुटनों को मोड़ लें।
- अपने बाएं पैर को अपने दाएं हिप्स के पास ले जाएं।
- अब अपने दाहिने पैर को अपने बाएं कूल्हे के पास ले जाएं।
- इस दौरान आपका दाहिना घुटना आपके बाएं घुटने के ऊपर होना चाहिए।
- इस प्रक्रिया के दौरान सांल लें और अपने दाहिने हाथ को छत की ओर सीधी स्थिति में रखें।
- सांस छोड़ें और अपनी कोहनी को ऊपर की ओर मोड़ें और दाहिने हाथ को पीछे की ओर लाएं।
- अब अपने बाएं हाथ को पीछे की ओर मोड़ कर अपने पीठ के केंद्र को छूते हुए कोहनी को धीरे से जमीन की ओर झुकाएं।
- पीठ के पीछे से अपने हाथों को एक साथ पकड़ने की कोशिश करें और जितना संभव हो सकें उंगलियों को मिलाएं।
- अगर हाथों को पकड़ना मुश्किल हो तो स्ट्रैप या बेल्ट को आप प्रोप की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपनी रीढ़ को सीधी स्थिति में रखें और अपने सिर को आगे की ओर झुकने से बचाए।
- साइटिका और कंधे के दर्द से राहत पाने के लिए इस आसन का अभ्यास रोजाना करें।

गोमुखासन करने के क्या फायदे हैं

- गोमुखासन हिप्स को फैलाता है, जो साइटिका नर्व पर दबाव को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे साइटिका के दर्द को कम किया जा सकता है।
- यह आसन कंधों को खोलने में मदद करता है, जिससे जकड़न दूर होती है और कंधे के दर्द से आराम मिलता है।
- गोमुखासन आपकी छाती को खोलकर पोश्चर में सुधार करता है और कंधों के तनाव से राहत देता है।
- यह मुद्रा रीढ़ की हड्डी को सही रखने में मदद करती है, जो रीढ़ की हड्डी में होने वाली असुविधा को कम कर सकती है।
- गोमुखासन के नियमित अभ्यास से हिप्स, कंधों और रीढ़ का लचीलापन बढ़ता है, जिससे शरीर के इन हिस्सों में होने वाली असुविधा को कम करने में मदद मिलती है।
- गोमुखासन शरीर के मांसपेशियों की ताकत को संतुलित करने में मदद करता है, किसी भी असंतुलन को दूर करता है जो दर्द का कारण बन सकता है।
- गोमुखासन का अभ्यास आपके साइटिका और कंधे के दर्द से राहत दिला सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे अगर आप इसे पहली बार कर रहे हैं तो किसी एक्सपर्ट की निगरानी में ही करें।

कोलेस्ट्रॉल को दिल के पास पहुंचने से रोकते हैं 5 फूड

बाहर की चीजें खाना, ज्यादा तला-भुना खाना, एक्सरसाइज न करना और सेडेंटरी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं, जिनमें से सबसे कॉमन बीमारी है कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना। तो जानिए 5 ऐसी चीजों के बारे में, जो आपका बेड कोलेस्ट्रॉल कम करने में बेहद फायदेमंद हैं।

दिल तक नहीं पहुंचेगा कोलेस्ट्रॉल

दिल की बीमारियों का सीधा संबंध कोलेस्ट्रॉल से है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खानपान में थोड़ा सा बदलाव करके आप शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाकर गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा सकते हैं।

ऑलिव ऑयल

कोलेस्ट्रॉल सबसे ज्यादा तेल की वजह से बढ़ता है। ऑलिव ऑयल के इस्तेमाल से सामान्य तेल के मुकाबले कई प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है।

ओट्स

ओट्स में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसमें बीटा ग्लूकॉन भी होता है, जो आंतों की सफाई करता है और कब्ज से राहत दिलाता है। नियमित तौर पर नाश्ते में ओट्स खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल को लगभग 6 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

मछली

मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। स्वस्थ रहने के लिए सप्ताह में दो बार स्टीम्ड या ग्रिल्ड मछली खा सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी सहायक होती है।

अलसी

अलसी के बीज कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी मददगार होते हैं। बेहतर होगा कि आप साबुत बीज की जगह पर पिसे हुए बीज का सेवन करें।

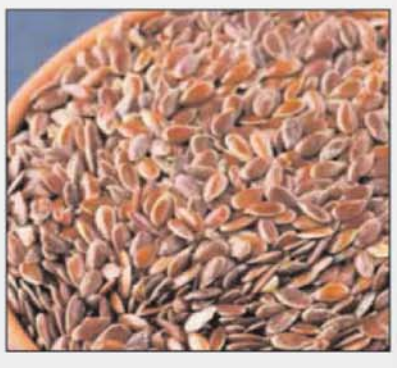

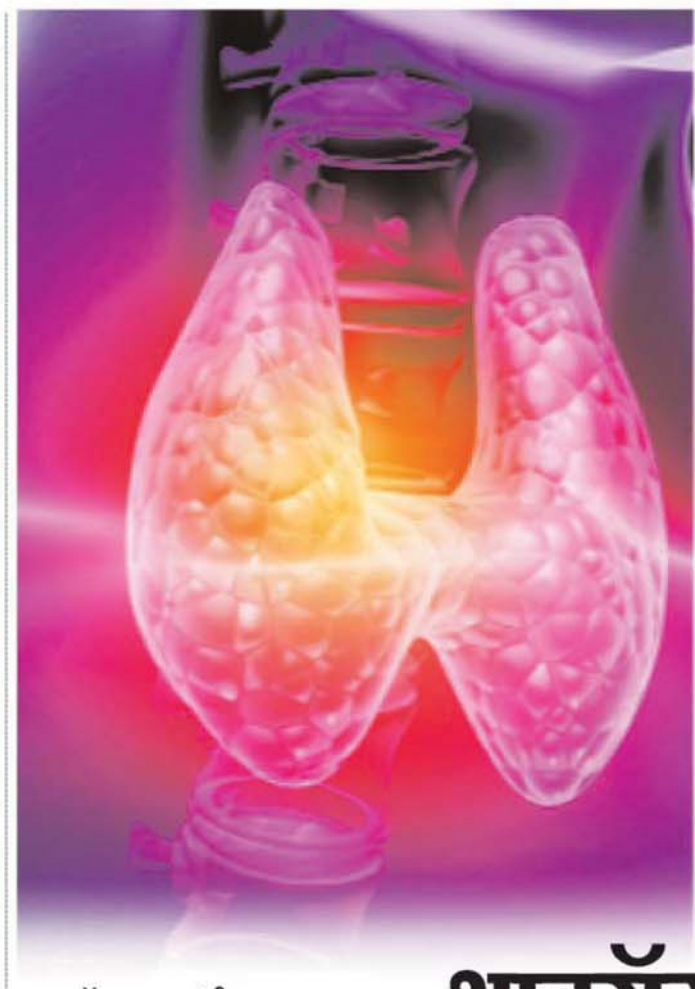

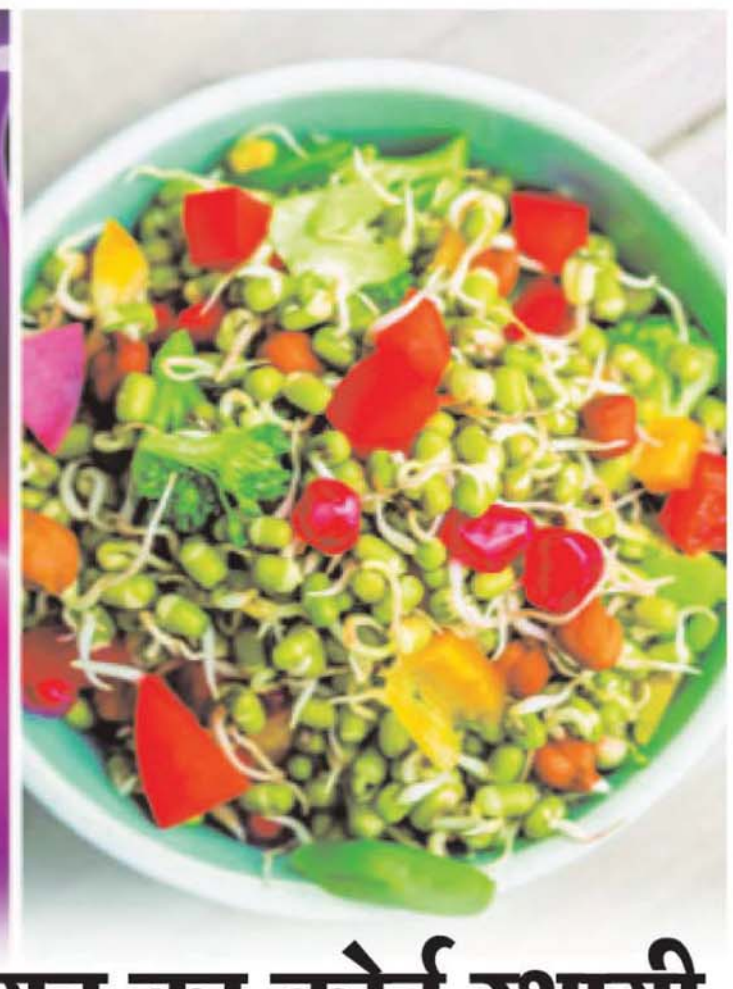

थाइरॉयड का कोई स्थायी इलाज नहीं, कंट्रोल रखकर ही रह सकते हैं स्वस्थ

थाइरॉयड एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। दुर्भाग्यवश इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। इसे सिर्फ कंट्रोल रखकर ही स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। थाइरॉयड एक हार्मोन होता है जिसे आपकी थाइरॉयड ग्रंथि बनाती है। इस हार्मोन के ज्यादा या कम बनने से आपके शरीर में कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

हाइपरथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें यह हार्मोन ज्यादा बनता है जबकि हाइपोथायरायडिज्म वो स्थिति है जिसमें ग्रंथि बहुत कम या इस हार्मोन को बनाना ही बंद कर देती है। थाइरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरूरी है। अवार्ड विनिंग न्यूट्रिशनिस्ट लवनीत बत्रा आपको घर में आसानी से मिलने वाले कुछ खाद्य पदार्थों के बारे में बता रही हैं, जो थाइरॉयड को कंट्रोल करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

कद्दू के बीज

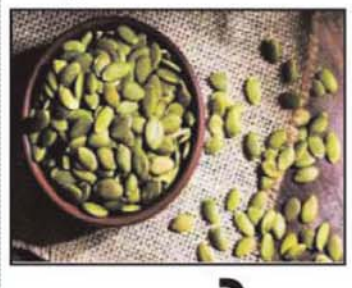

कद्दू के बीज जिंक का एक बढ़िया स्रोत हैं, जो T4 को एक्टिव T3 में बदलने के लिए जरूरी हैं। अगर आप थाइरॉयड के मरीज हैं, तो आपको इसे डाइट में शामिल करना चाहिए।

राजगीरा

राजगीरा सेलेनियम का एक बढ़िया स्रोत है, जो T4 को T3 में बदलने के लिए जरूरी है, क्योंकि डिओडिनेज एंजाइम (ऐसे एंजाइम जो T4 से आयोडीन एटॉमस को हटाते हैं) सेलेनियम पर निर्भर होते हैं।

दही

दही भी आयोडीन का एक बड़ा स्रोत है। यह एक प्रोबायोटिक सुपरफूड भी है, जो आंतों के स्वास्थ्य को भी बनाए रखता है। यह जरूरी है क्योंकि कई थायरॉयड समस्याएं ऑटोइम्यून बीमारी के कारण होते हैं। ध्यान रहे कि इम्यून पावर को ठीक करने के लिए जरूरी है कि पहले आप आंतों को ठीक करें।

करी पत्ता

करी पत्ता कॉपर का एक अच्छा स्रोत है जो थायरोक्सिन हार्मोन टी4 के उत्पादन को बढ़ाता है और शरीर के कैल्शियम लेवल को कंट्रोल करके ब्लड सेल्स में टी4 के अधिक अवशोषण को रोकता है।

सब्जा या तुलसी के बीज

सब्जा के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं जो अच्छे मेटाबॉलिज्म को बनाए रखते हैं। इतना ही नहीं, यह छोटे-छोटे बीज थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मूंग दाल

मूंग दाल बीन्स की तरह आयोडीन प्रदान करता है और मूंग के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे सभी बीन्स में पचाने में सबसे आसान हैं। यही वजह है कि यह थायराइड के लिए सबसे बेस्ट फूड है।

अनार

अनार में पॉलीफेनोल्स होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को हटाने में मदद करते हैं, जिससे सूजन कम होती है। अनार के सेवन से आपकी थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को बढ़ावा मिलता है।

गंभीर बीमारी की जड़ है बैठकर काम करना

एक दिन में ज्यादा देर तक बैठे रहने से कई सारी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इन से बचने के लिए एक्सपर्ट ने कुछ काम के टिप्स दिए हैं।

तकनीक ने जीवन आसान बना दिया है। अब किसी काम को करने के लिए ज्यादा शारीरिक मेहनत नहीं करनी पड़ती। लेकिन ये आराम नुकसानदायक भी हो सकता है। क्योंकि, इसने हमारे बैठे रहने के समय को बढ़ा दिया है और साथ में सिटिंग जॉब से गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट और हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया कि बैठे रहना धूम्रपान जितना खतरनाक है। इससे 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं, जिन्हें सिटिंग डिजीज कह सकते हैं। ये बीमारी इतनी खतरनाक हैं कि एक बार होने के बाद पीछा नहीं छोड़ती।

सिटिंग डिजीज क्या है?

ज्यादा देर तक बैठे रहने से 34 से ज्यादा बीमारी हो सकती हैं। जो कि लाइफस्टाइल से जुड़ी हैं, कुछ प्रमुख नाम इस प्रकार हैं।

- हार्ट डिजीज
- टाइप 2 डायबिटीज
- हाई बीपी
- बेली फैट
- हाई कोलेस्ट्रॉल
- अपच
- कब्ज, आदि

एक्सरसाइज से भी नहीं पड़ता असर

अगर आप सोचते हैं कि एक्सरसाइज करने से इन बीमारियों से बचा जा सकता है तो गलत हैं। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, एक्सरसाइज के बाद भी ये बीमारी हो सकती हैं। क्योंकि, दिन के बाकी समय में हम बैठे ही रहते हैं। इसलिए इन बीमारियों का खतरा बिल्कुल खत्म नहीं हो जाता।

इतने घंटे बैठने से बचें

जो लोग 7-8 घंटे की सिटिंग जॉब करते हैं और उसके साथ 2-3 घंटे ट्रेवलिंग में बिताते हैं तो उनके बैठे रहने की अवधि 10 घंटे से ज्यादा हो जाती है। अंजलि मुखर्जी के मुताबिक, शोध कहता है कि एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा बैठने से दिल की बीमारी और अन्य दिक्कतों का खतरा बढ़ सकता है।

ये टिप्स आएंगे काम

- अगर संभव हो तो स्टैंडिंग डेस्क का इस्तेमाल करें।
- संभव हो तो वॉल्किंग मिटिंग करें।
- काम के बीच में स्ट्रेचिंग करें।
- रोजाना डीप ब्रीदिंग करें।
- 20 मिनट बैठने के बाद 8 मिनट खड़े रहने और 2 मिनट चलने की कोशिश करें।

आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाएं

आयुर्वेद और विज्ञान की माने तो शंखनाद से सकारात्मक ऊर्जा का सर्जन होता है जिससे आत्मबल में वृद्धि होती है। शंख में प्राकृतिक कैल्शियम, गंधक और फास्फोरस की भरपूर मात्रा होती है। शंख से मुख के तमाम रोगों का नाश होता है। ऑक्सीजन लेवल को बढ़ाने के लिए ब्रीदिंग एक्सरसाइज और प्रोन पोजिशन को एक बेहतर विकल्प माना जा रहा है तो वहीं अगर आप फेफड़ों को तंदुरुस्त रखना चाहते हैं तो शंख बजाना आपके लिए आसान तरीका हो सकता है।

- यदि आप पूजा स्थान पर रखे शंख को पूजा के अलावा अपने आप को स्वस्थ रखने हेतु प्राणायाम के साथ इस्तेमाल करते हैं तो आप दीर्घायु रह सकते हैं।
- शंख बजाने से हृदयाघात, रक्तचाप की अनियमितता, दमा, मंदाग्नि, शुगर, पेट संबंधित में लाभ होता है।
- शंख बजाने से फेफड़े पुष्ट होते हैं। प्रतिदिन शंख फूंकने वाले को गले और फेफड़ों के रोग नहीं होते।
- शंख में पानी रखकर पीने से मनोरोगी को लाभ होता है, उतेजना कम होती है।
- शंख की ध्वनि से दिमाग व स्नायु तंत्र सक्रिय रहता है।
- शंख बजाने से योग की 3 क्रियाएं एकसाथ होती हैं- कुंभक, रेचक, प्राणायाम।
- शंख की ध्वनि से नकारात्मक शक्तियां भी दूर होती हैं।
- शंख वादन से स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- शंख बजाने से चेहरे, श्वसन तंत्र, श्रवण तंत्र तथा फेफड़ों का व्यायाम होता है।
- अगर आपको खांसी, दमा, पीलिया, ब्लडप्रेशर या दिल से संबंधित मामूली से लेकर गंभीर बीमारी है तो इससे छुटकारा पाने का एक सरल-सा उपाय है। शंख बजाइए और रोगों से छुटकारा पाइए।

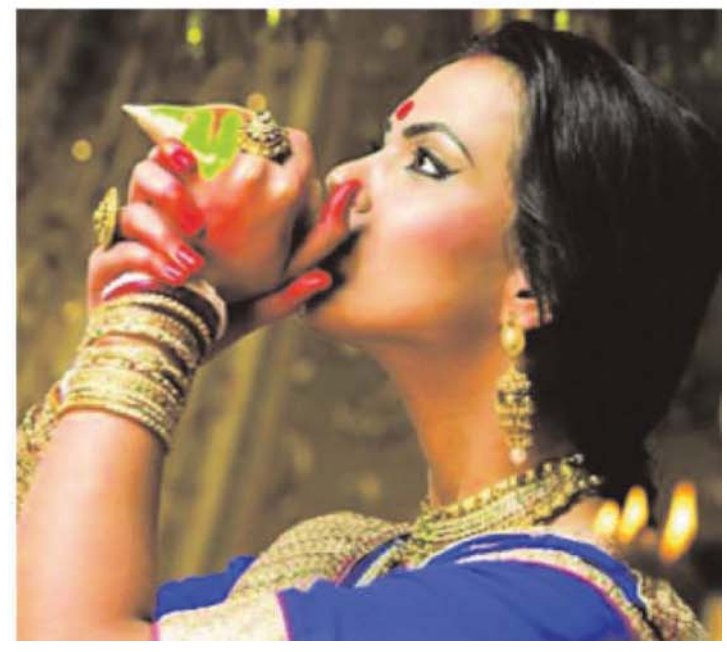

कलेक्टर ने की धान खरीदी प्रगति की समीक्षा, रकबा समर्पण, धान उठाव एवं अवैध धान पर कार्यवाही के निर्देश

अब तक 33289 किसानों से 151229 मीट्रिक टन धान खरीदी

बलौदाबाजार। कलेक्टर दीपक सोनी ने खाद्य, सहकारिता, कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर धान खरीदी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने किसानों से अतिरिक्त रकबा समर्पण एवं धान उठाव मर तेजी लाने तथा कोचिये व बिचौलिए के अवैध धाम पर लगातार कार्यवाही के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन केंद्रों में धान बेचने आने वाले किसानों का वाहन सहित फोटो लेकर एप्प में अपलोड करने का कार्य सभी उपार्जन केन्द्र के ऑपरेटर से प्रतिदिन अनिवार्य रूप से कराने में निर्देश दिये। उन्होंने मिलर्स द्वारा धान उठाव की समीक्षा करते हुए कहा कि उपार्जन केन्द्र से धान उठाने के बाद ट्रक संबंधित मिलर्स के यहां पहुंचना चाहिए। उन्होंने अतिसंवेदशील उपार्जन केंद्रों में अब तक की खरीदी मात्रा का विश्लेषण करने एवं अधिक खरीदी के कारणों का पता लगाने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी समिति का बिचौलिए से मिलीभगत पाए जाने पर कड़ी करुवाही होगी। सभी सतर्क होकर कार्य करें। अवैध धान परिवहन पर कड़ी निगरानी के लिये उड़ानदस्ता दल एवं चेक पोस्ट से प्रतिदिन की कार्यवाही की जानकारी लेने के निर्देश दिये। बताया गया कि जिले के सभी 166 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी जारी है एवं अब तक 33289 किसानों से 151229 मेट्रिक टन धान खरीदी हुई है। इसके साथ ही 10482किसानों का लगभग 157 हेक्टेयर रकबा समर्पण कराया गया है।

धान खरीदी केन्द्रों में किसानो की समस्या पर जमकर हंगामा

रानीतराई धान खरीदी केंद्र में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष धेराव में पहुचे

रानीतराई। ब्लाक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर के तत्वावधान में धान खरीदी केंद्र में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण किसानों को धान बेचने में भारी दिक्कत हो रही है। जिला कांग्रेस के निर्देश में सोमवार को डिंडाभाटा धान खरीदी केंद्र में किसानों व कांग्रेश के कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी व हंगामे हुई। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने समिति प्रबन्धक वर्मा व नायब तहसीलदार को दो दिन में धान खरीदी व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो पाटन के सभी समितियो मे चक्काजाम व उग्र आंदोलन करेंगे। शांतिपूर्वक किसानों ने जिला कलेक्टर एवं कृषि मंत्री के नाम पर ज्ञापन पाटन नायब तहसीलदार भूपेंद्र सिह को सौंपा गया।वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था में गभीर अनियमितताए एवं अव्यवस्थाएँ पाटन ब्लॉक के अधीनस्थ धान खरीदी केन्द्रों में विभिन्न समस्या सामने आई है।जिसमे ऑनलाइन व ऑफ्लाइन टोकन वितरण में व्यापक समस्या,किसानों को समय पर टोकन प्राप्त न होने से आर्थिक नुकसान और भीडभाड की स्थिति,धान खरीदी लिमिट में सरलीकरण,धान विक्रय हेतु पंजीयन में परेशानी का निराकरण,केन्द्रों में प्रतिदिन की खरीदी लिमिट को बढ़ाने,तत्काल परिवहन व्यवस्था चालू करने की मांग रखी गई। विधायक प्रतिनिधि अशोक साहू ने अन्नदाता किसानो की परेशानी से दूर सरकार चिरनिद्रा में सोई हुई है।आज छत्तीसगढ़ से सभी किसान हताश,निराश हो गए हैं। राकेश ठाकुर जिलाध्यक्ष, राजेश ठाकुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, अशोक साहू विधायक प्रतिनिधि, महेंद्र वर्मा, उमाकांत चन्द्रकर, विष्णु चन्द्रकर, लुल्ली चक्रधारी, सोहन जोशी,भूपेंद्र बघेल, कपूर साहू,देव कुमार निषाद, रश्मि भेद प्रकाश वर्मा जनपद सदस्य, भविष्य कुमार जैन, यादव राम सेन, भोज रघुवंशी, सत्यनारायण टिकरिहा सरपंच, आनंद बघेल जनपद सदस्य, जानकी चोपड़िया सरपंच, द्रौपदी साहू, कमलेश ठाकुर, निखिल साहू, दुकालू राम निषाद,पालेश्वर ठाकुर, ललित ग्रहण, हरीश ठाकुर, हेमू सोनकर,नारद साहू, महेश्वर टिकरिया,राजेश तिवारी, अंकलहू नेताम, कुबेर वर्मा, मुकेश वर्मा, उदयकरण बिजौरा पंच राम निषाद भानूराम वर्मा डोमन चंद्राकर डोमन साहू नारद साहू राम सिंह आगरे रामा साहू विष्णु वर्मा सहित किसान उपस्थित थे।

त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह दुसरा दिन

राजा परीक्षित की पावन कथा का वर्णन

रिसाली/दुर्ग। सात दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक पं. भूपत नारायण शुक्ला ने राजा परीक्षित की पावन कथा का वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने बताया कि राजा परीक्षित कुरु वंश के पराक्रमी राजा थे, जिनका जन्म युद्धाभ्यास के बीच हुआ था और जिन्हें स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के वरद हाथ का आशीर्वाद प्राप्त था।

कथावाचक ने कहा कि एक बार दुर्भाग्यवश ऋषि शमीक के पुत्र ऋषिश्रृंग ने परीक्षित को श्राप दे दिया कि सातवें दिन तक्षक नाग के डंसने से उनका निधन होगा। श्राप की घड़ी नजदीक आते ही राजा परीक्षित ने राजमहल का मोह त्यागकर गंगा तट पर उपवास सहित श्रीशुकदेव जी से भागवत श्रवण का निर्णय लिया।

शुकदेव जी द्वारा सुनाई गई यही सप्तदिवसीय भागवत कथा आज भी मोक्षदायिनी मानी जाती है। कथा के अंत में पं. भूपत नारायण शुक्ला ने कहा कि परीक्षित की कथा हमें जीवन की अनिश्चितता, क्षणभंगुरता और ईश्वर भक्ति की महत्ता का संदेश देती है।

कथा पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और ÷हरि बोल÷ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रेवा तालाब में पाउंड मशीन का मेगा अभियानः जलकुंभी हटते ही निखरा पानी, दुर्ग नगर निगम ने पाउंड मशीन से साफ हुआ दीपक नगर का रेवा तालाब

दुर्ग। नगर पालिक निगम।शहर के प्रमुख जलस्रोतों को स्वच्छ बनाने के लिए दुर्ग नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वार्ड 23 दीपक नगर स्थित रेवा तालाब में आज पाउंड मशीन के माध्यम से बड़े पैमाने पर सफाई कार्य शुरू किया गया। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग और कर्मशाला विभाग की संयुक्त टीम सुबह होते ही तालाब पहुंची और आधुनिक पोनो मशीन को पानी में उतारा गया। पाउंड मशीन के संचालन के कुछ ही देर बाद तालाब की सतह पर फैली मोटी जलकुंभी की परत हटनी शुरू हो गई और पानी पहले की तुलना में काफी साफदिखाई देने लगा। इस कार्रवाई से स्थानीय नागरिकों में भी उत्साह का माहौल रहा। नगर निगम ने हाल ही में शहर के सभी तालाबों का सर्वे किया था, जिसमें कई जलस्रोतों में जलकुंभी एवं कचरे की अत्यधिक मात्रा पाई गई। इसे देखते हुए निगम ने

आधुनिक तकनीक वाली पाउंड मशीन की मदद से पूरे शहर में सफाई अभियान चलाने का निर्णय लिया।इसी कड़ी में आज रेवा तालाब की सफाई को प्राथमिकता देते हुए अभियान की शुरुआत की गई। पाउंड मशीन, जिसे पोंड गार्बेज क्लीनिंग मशीन भी कहा जाता है, जल स्रोतों की सफाई के लिए अत्याधुनिक तकनीक है। यह मशीन पानी की सतह पर तैरते हुए। खरपतवार,प्लास्टिक व अन्य कचरा को एकत्रित कर बाहर निकालती है।इससे तालाब का जलस्तर सुधरता है, पानी का प्राकृतिक रूप सुरक्षित रहता है, मच्छरों के पनपने की समस्या कम होती है, और आसपास की पर्यावरणीय स्वच्छता बेहतर होती है। निगम के अनुसार यह मशीन शहर के अन्य तालाबों,गौरव पथ तालाब, शीतला तालाब, सिविक सेंटर तालाब आदि में भी चरणबद्ध तरीके से लगाई जाएगी। महापौर अलका बाघमार ने कहा शहर के सभी जलस्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेवा तालाब में पोनो मशीन के माध्यम से सफाई शुरू की गई है, और जल्द ही अन्य तालाबों में भी यह प्रक्रिया तेज गति से जारी रहेगी। स्वच्छ दुर्ग, सुंदर दुर्ग के संकल्प को हम निरंतर क्रियान्वित कर रहे हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा पोनो मशीन के जरिए सफाई तेजी से और प्रभावी ढंग से हो रही है। इससे न केवल जलकुंभी हटाई जा रही है, बल्कि जल की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। नागरिकों से भी अपील है कि जलस्रोतों में किसी भी प्रकार का कचरा न डालें और स्वच्छता अभियान में सहयोग करें। पार्षद मनोज सोनी ने कहा दीपक नगर का रेवा तालाब लंबे समय से जलकुंभी से प्रभावित था। अब आधुनिक मशीन से सफाई होने से तालाब का रूप निखर रहा है और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ जलस्रोत मिल रहा है। जल संरक्षण और स्वच्छता दोनों दृष्टिकोण से यह कार्रवाई अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि वर्षों से तालाब में जमा जलकुंभी के कारण जल प्रवाह बाधित हो रहा था, जिससे पानी बदरंग दिखने लगा था।

लेकिन पोनो मशीन के उतरते ही बड़ी मात्रा में खरपतवार बाहर निकाला गया तथा तालाब का पानी साफ़ दिखाई देने लगा है। पाउंड मशीन सफाई अभियान के दौरान पार्षद मनोज सोनी, राजेश सिंह, राजेश शुक्ला, विनोद मून, गोलू सोनी सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं कर्मशाला टीम के सदस्य मौजूद रहे।

स्व. कमला देवी साहू की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शामिल हुए इंद्रजीत सिंह 'छोटू'

दुर्ग। प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू की धर्मपत्नी स्वर्गीय कमला देवी साहू की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा कार्यक्रम में एच.टी.सी. कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' विशेष रूप से सम्मिलित हुए। उन्होंने कथा व्यास निरंजन महाराज के श्रीमुख से प्रवाहित हो रही श्रीमद् भागवत कथा का श्रद्धा व भक्ति भाव से रसपान किया। कथा स्थल पर इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं उनके परिवारजनों से सौजन्य भेंट कर सादर अभिवादन किया तथा दिवंगत स्व. कमला देवी साहू के प्रति पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्व. कमला देवी साहू का संपूर्ण जीवन सेवा, संस्कार और सामाजिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है। इस अवसर पर सर्व समाज कल्याण समिति की ओर से मलकित सिंह 'लल्लू', अनिल चौधरी, जोगा राव, निर्मल सिंह, शाहनवाज़ कुरैशी, रमन राव, इंद्रजीत सिंह 'चिंटू', वाजिद अंसारी, हरेंद्र यादव, सोम सिंह सहित समिति के अनेक सम्मानित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा स्थल पर संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया।

टोकन का टेंशन : कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा एक- दो दिन में समस्या दूर नही हुआ तो किसानों के साथ करेंगे चक्काजाम

जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने मौके से ही कलेक्टर दुर्ग से किया दूरभाष पर चर्चा , फुंडा धान खरीदी केंद्र का दौरा

पाटन। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई है, धान खरीदी प्रक्रिया को करीब 25 दिन होने को हैं, लेकिन दुर्ग जिले में किसान अब भी टोकन के टेंशन से परेशान हैं।

सोमवार सुबह जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर के फुंडा सोसायटी पहुँचने के खबर लगते ही किसान सैंकड़ो की संख्या में पहुँचकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर से धान टोकन को लेकर अपनी समस्याएं बताने लगे। किसानों का कहना है कि सबसे बड़ी परेशानी टोकन की है, सुबह से ही केंद्रों में लंबी कतारों में खड़े हो जाते हैं, मगर न तो ऑनलाइन और न ही ऑफलाइन टोकन मिल पा रहा है, कई किसान बताते हैं कि वे पखवाड़े भर से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सिस्टम में टोकन स्लॉट खुल ही नहीं रहा है। उपस्थित किसानों ने सोसायटी द्वारा जारी की

जाने वाली 30 प्रतिशत धान का टोकन व्यक्ति विशेष को चिन्हांकित कर दिए जाने का भी आरोप लगाया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने तत्काल मौके पर ही कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह से फोन पर चर्चा कर टोकन समस्या से अवगत कराया तथा टोकन लिमिट तत्काल बढ़ाने मांग किया। ठाकुर ने अब तक धान उठाव के संबंध में शासन की निष्क्रियता पर भी चर्चा किया। कलेक्टर दुर्ग ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर को आश्वस्त किया कि धान खरीदी में टोकन की लिमिट जल्द बढ़ाने आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा धान उठाव के संबंध में शासन को पत्राचार भी कर रहे है। पूरे मामले की जानकारी काँग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने फ़ोन के माध्यम से एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव को भी दिया और कहा कि टोकन का समस्या एक या दो दिन में ठीक नही हुआ, लिमिट नही बढ़ाया गया तो कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ चक्काजाम करेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन प्रसाशन की होगी। ठाकुर ने राज्य की भाजपा सरकार के नियत में खोंट बताते हुवे धान नही खरीदने का षड्यंत्र बताया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र वर्मा, जनपद सदस्य आनंद बघेल, दिना वर्मा, धनी वर्मा, डुमन वर्मा, विजय चिलक, सुंदर सैन, चेतन बंजारे, राजेश वर्मा, गोपाल, गोकुल देशलहरा, हरीश ठाकुर, लोचन यादव, पालेश्वर ठाकुर, भोलेश्वर वर्मा, गिरधर साहू, हुल्लेश्वर पटेल, कैलाश साहू, ईश्वर चंद्राकर, दीपेश बंजारे, मिथलेश शर्मा, राजू शर्मा, सुरेंद्र वर्मा, जितेंद्र वर्मा, मनोज वर्मा, नारायण वर्मा, सुरेश चेलक, निखिल दास, नागेंद्र वर्मा, श्यामा मनहर, रेवा वर्मा, रीतकरण वर्मा, बोनू निर्माण, तुला राम निर्मल,भगवती साहू, मनोहर वर्मा सहित सैंकड़ो की संख्या में किसान मौजूद थे ।

महापौर निर्मल कोसरे ने कहा -ये गांव का नहीं, पूरे प्रदेश का गौरव है

गृह ग्राम गनियारी पहुंचने पर अग्निवीर राकेश साहू का भव्य स्वागत

भिलाई-3। देश की सेवा के लिए युवाओं में बढ़ते उत्साह और सैन्य भर्ती के प्रति गहरी लगन का प्रतीक बन चुके अग्निवीर योजना में चयनित ग्राम गनियारी निवासी राकेश साहू आज अपने गांव लौटे तो ग्रामीणों ने उनका भव्य और आत्मीय स्वागत किया। राकेश साहू, ग्राम गनियारी निवासी इत्वारी साहू के पुत्र हैं, जिनका कुछ माह पूर्व सेना के अग्निवीर भर्ती में चयन हुआ था। वर्तमान में वे जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील क्षेत्र में देश की सेवा कर रहे हैं। छुट्टी के दौरान जब वे अपने गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने लायक था। घर-आंगन से लेकर चौपाल तक, हर किसी के चेहरे पर गर्व और खुशी साफ झलक रही थी।

ग्रामवासियों ने राकेश को फूलमाला पहनाकर, तिलक लगाकर और गर्वपूर्ण जयघोषों के साथ सम्मानित किया। बड़े-बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद दिया, वहीं युवाओं ने उन्हें अपना प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि राकेश की सफलता ने गांव के युवा वर्ग में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास पैदा किया है। कार्यक्रम में विशेष तौर पर पहुंचे भिलाई-चरोदा नगर निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने राकेश साहू का सम्मान करते हुए कहा– ÷अग्निवीर राकेश साहू ने जो उपलब्धि हासिल की है, वह केवल उनके परिवार या ग्राम गनियारी का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली है। सीमाओं पर खड़े ऐसे जांबाज़ युवाओं की वजह से ही हम सब सुरक्षित हैं। राकेश ने यह साबित किया है कि छोटे से गांव का युवा भी बड़ी से बड़ी ऊंचाई छू सकता है। हम सभी उनकी वीरता, समर्पण और सेवाभाव को हृदय से नमन करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आज की युवा पीढ़ी को राकेश जैसे उदाहरणों से सीख लेनी चाहिए, क्योंकि अनुशासन, कड़ी मेहनत और देशभक्ति की भावना किसी भी व्यक्ति को बुलंदियों तक पहुंचाने में सक्षम है। महापौर ने राकेश को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आश्वस्त किया कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि स्तर पर ऐसे प्रतिभाशाली युवाओं को हमेशा प्रोत्साहित किया जाएगा। गांव में देशभक्ति का माहौल, परिवार गर्व से भर उठा- राकेश के पिता इतवारी साहू ने भावुक होते हुए कहा कि बेटे को वर्दी में देखकर जो गर्व महसूस होता है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राकेश बचपन से ही देशभक्ति से प्रेरित थे और आज उनकी मेहनत रंग लाई है। माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों ने भी राकेश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामवासियों ने बताया कि राकेश की सफलता से गांव के दर्जनों युवाओं का मनोबल बढ़ा है। गांव के युवाओं ने राकेश को प्रेरणा का स्रोत बताते हुए उनका अभिनंदन किया। अंत में राकेश ने जताया आभार-सम्मान समारोह के अंत में राकेश साहू ने ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और महापौर निर्मल कोसरे का धन्यवाद करते हुए कहा कि गांव का यह स्नेह और प्यार ही उनकी असली ताकत है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी पूरी निष्ठा के साथ देश की सेवा करते रहेंगे।

सशस्त्र बल ध्वज दिवस कोष हेतु अधिक राशि संग्रहण के लिये दुर्ग जिला सम्मानित

राज्यपाल ने कलेक्टर को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया

दुर्ग । भारत सरकार द्वारा पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए गठित सशस्त्र बल ध्वज दिवस कोष में जिला प्रशासन द्वारा जमा करने अधिक राशि संग्रहण कर कोष में जमा करने पर दुर्ग जिले को सम्मानित किया गया। शहीद जांबाज सैनिकों व उनके परिजनों के प्रति नागरिक एकजुटता व सम्मान प्रदर्शित करने सशस्त्र सेना झंडा दिवस 7 दिसम्बर को राज्यपाल रमेन डेका ने दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह को गवर्नर ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com